संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष- 21 अंक- 330
पृष्ठ 8
रविवार
24 अगस्त 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य- 1.00

प्रयागराज से प्रकाशित

Email : shaharsamta@gmail.com

Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक- उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बच्चों से लेकर बड़ों तक में तेजी से...
विचार- विद्यार्थी से आरोपी बनते बच्चे
खेल- रोहित और कोहली के भविष्य पर...

लोकरंजन प्रकाशन की प्रस्तुति

श्मशान कन्या

लेखक: रंजन पांडेय,

श्मशान कन्या एक हृदयस्पर्शी उपन्यास है, जिसमें विधवा मीना और उसकी बेटियों के जीवन संघर्ष को केंद्र में रखा गया है। पति की असमय मृत्यु के बाद मीना अपनी बेटियों गीता और शुभकामना के सहारे जीवनयापन करती है। शुभकामना मेधावी और महत्वाकांक्षी है, जबकि गीता सहज और सरल स्वभाव की। परिस्थितियाँ तब विकट हो जाती हैं जब नियोक्ता की अनुचित माँगों और बाद में एक दबंग 'दादा' के दबाव से मीना को अपना घर छोड़ना पड़ता है। अंततः वह एक स्नेही व सद्गुणी साधु के सहारे श्मशान घाट पर रहने लगती है।

उपन्यास में बेटियों की जीवन–यात्रा अलग–अलग राहों से गुजरती है। गीता छलपूर्वक

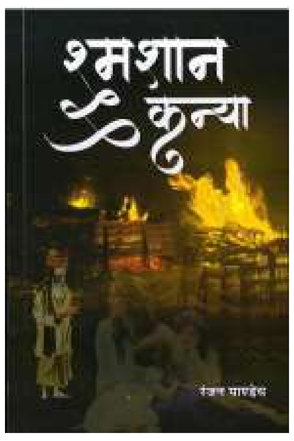

प्रेम नामक युवक के जाल में फँस जाती है, जो कई लड़कियों से विवाह करता है और बाद में भाग खड़ा होता है। दूसरी ओर शुभकामना कठिन परिश्रम और लगन से भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयनित होकर समाज में सम्मान प्राप्त करती है। अंततः उसी के प्रयास से प्रेम को गिरफ्तार कराया जाता है। इस बीच, गीता अपनी संगीत प्रतिभा के बल पर प्रसिद्ध संगीतज्ञ के रूप में पहचान बनाती है।

लेखक ने श्मशान जैसे प्रतीकात्मक स्थल को केवल मृत्यु का नहीं, बल्कि संघर्ष, और आशा का प्रतीक बनाकर प्रस्तुत किया है। भाषा सरल, प्रभावी और संवेदनाओं से भरी हुई है। पात्रों का मनोवैज्ञानिक चित्रण विशेष रूप से सराहनीय है।

कथानक की गति सघन है एवं कथा में एक विशिष्ट प्रकार की निरंतरता और आकर्षण है, जो पाठक को आरंभ से अंत तक बाँधे रखती है। यह प्रभाव लेखक की अद्भुत कथन–शैली और साहित्यिक प्रतिभा का प्रमाण है। पठन आरंभ करने के बाद उपन्यास को अधूरा छोड़ना मेरे लिए असंभव प्रतीत हुआ। इससे पूर्व मैंने लेखक का "कोटा फीवर" उपन्यास भी पढ़ा था, और कहना होगा कि हर बार वे पाठकों के सामने एक नया, अनछुआ प्रयोग प्रस्तुत करते हैं। ऐसे साहसिक और नवोन्मेषी साहित्यिक प्रयासों के लिए लेखक निश्चय ही बधाई और सराहना के पात्र हैं। कुल मिलाकर "श्मशान कन्या" एक ऐसा उपन्यास है जो नारी–संघर्ष, शिक्षा और आत्मबल के महत्व को रेखांकित करते हुए पाठकों को गहरे सामाजिक आत्ममंथन की ओर प्रेरित करता है।

'A MUST READ'
–विश्वनाथ
Former IOFS Officer,
Advisor to CBWAI and
Founder President (Retd)
CBWAI,
Certified FT Practitioner &
President, EHU
पुस्तक का अमेज़न लिंक
https://amzn-in/d/a6nEBrF

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर अपने संबोधन में बोले प्रधानमंत्री मोदी

भारत अपना स्पेस स्टेशन भी बनाएगा

नई दिल्ली,एजेंसी। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में भारत मंडपम में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान भारतीय अंतरिक्षयात्री शुभांशु शुक्ला के साथ गगनयान मिशन पर जाने वाले अन्य अंतरिक्षयात्री भी मौजूद रहे। साथ ही केंद्रीय विज्ञान और तकनीक मंत्री जितेंद्र सिंह और इसरो के चेयरमैन वी नारायणन भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। इस कार्यक्रम को प्रधानमंत्री मोदी ने वर्चुअली संबोधित किया। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने देशवासियों को दूसरे राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की बधाई दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि श्इस बार के अंतरिक्ष दिवस की थीम आर्यभट्ट से गगनयान तक है। इसमें अतीत का आत्मविश्वास भी है और भविष्य का संकल्प भी। आज हम देख रहे हैं कि इतने कम समय में ही राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस हमारे युवाओं के बीच उत्साह और आकर्षण का विषय बन गया है। यह देश के लिए गौरव की बात है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि श्अंतरिक्ष क्षेत्र में एक के बाद एक नई उपलब्धि हासिल करना, ये भारत और भारत के वैज्ञानिकों का स्वभाव बन गया है। दो साल पहले ही भारत ऐसा पहला देश बना था जिसने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने का इतिहास रचा। हम उन देशों में भी शामिल हो गए हैं, जिन्होंने अंतरिक्ष में डॉकिंग और अनडॉकिंग की क्षमता हासिल कर ली है।

उन्होंने कहा कि शुभांशु शुक्ला ने इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर तिरंगा फहराकर हर भारतीय को गर्व से भर दिया। जब वो तिरंगा मुझे दिखा रहे थे, जो वो पल और अनुभूति थी। वो शब्दों से परे हैं। आज भारत सेमी क्रायोजेनिक इंजन और इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन जैसी अहम तकनीक की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री योगी ने दिया मंत्र

जनता को मिले त्वरित न्याय, तभी आएगा सुशासन

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा संघ के 42वें सम्मेलन में भाग लिया और इस बात पर जोर दिया कि अगर देश को सुशासन का लक्ष्य हासिल करना है, तो न्याय को सुलभ और त्वरित बनाना होगा। समारोह को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने इस बात पर गर्व व्यक्त किया कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या के मामले में देश का सबसे बड़ा उच्च न्यायालय है और सभी उच्च न्यायालयों में कार्यरत न्यायाधीशों की संख्या भी सबसे अधिक है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अपने 102 वर्षों के इतिहास में, उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा संघ ने अनेक उपलब्धियाँ हासिल की हैं। यहाँ उपस्थित न्यायिक अधिकारी एकता, आपसी सहयोग और व्यावसायिक दक्षता के प्रमाण हैं। मैं इस अवसर पर आप सभी का हार्दिक अभिनंदन करता हूँ। यह गर्व की बात है कि देश का सबसे बड़ा उच्च न्यायालय हमारे राज्य में स्थित है। मुख्यमंत्री योगी ने आगे रेखांकित किया कि हर स्तर पर सामूहिक प्रगति राष्ट्रीय विकास में योगदान देती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश के लोगों को एक विकसित भारत के संकल्प के साथ एकजुट किया है। अगर हम राज्य में काम कर रहे हैं, तो एक विकसित उत्तर प्रदेश, एक विकसित भारत में योगदान देगा। अगर हम जिले में काम कर रहे हैं, तो एक विकसित जिला, एक विकसित उत्तर प्रदेश में योगदान देगा। अगर हमें सुशासन के लक्ष्य को प्राप्त करना है, तो हमें न्याय को सुलभ और त्वरित बनाना होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा संघ को 50 करोड़ रुपये की निधि प्रदान करने की भी घोषणा की। इससे पहले गुरुवार को, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए और बाबूजी को श्रद्धांजलि अर्पित की, साथ ही स्वास्थ्य मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल की भी प्रशंसा की।

नीतीश ने सड़क दुर्घटना में आठ लोगों की हुयी मौत पर जताया शोक

पटना, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना जिले के शाहजहांपुर थाना क्षेत्र के सिगरियामा में ट्रक और ऑटो रिक्शा में हुई टक्कर में आठ लोगों की मौत पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। श्री कुमार ने कहा कि यह घटना काफी दुःखद है।

सभी मृतक नालंदा जिले के हिलसा थाना क्षेत्र के मलामा गांव के निवासी थे। मुख्यमंत्री ने इस दुर्घटना में घायल लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।उन्होंने दिवंगत आत्मा की चिर शान्ति तथा उनके परिजनों को दुःख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

आगरा में आग से 14 लोग झुलसे

आगरा,एजेंसी। उत्तर प्रदेश में आगरा जिले के बाह इलाके में शुक्रवार रात एक घर में आग लगने से 14 लोग बुरी तरह से झुलस गए। पुलिस ने बताया कि थाना बाह इलाके के पुरा जसोल गांव में बीती रात को जितेंद्र के घर में आग लग गई।

घर में मौजूद कुछ लोग आग की चपेट में आ गए। परिवार वालों को बचाने की कोशिश में पड़ोसी भी आग से झुलस गए। घर में लगी आग को किसी तरह से बुझाया गया । आग लगने से घर में भी काफी नुकसान हुआ है। उन्होने बताया कि सिलेंडर से गैस लीक होने की वजह से घर में आग लगी थी।

रात में ही आग पर काबू पा लिया गया था। आग के चपेट में आने से सभी को अलग अलग अस्पतालों में भर्ती कराया है। कुछ का इलाज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर चल रहा है तो कुछ को मेडिकल कॉलेज रेफर किया है।

कर्नाटक मामले पर फूटा अन्नामलाई का गुस्सा

धर्मस्थल मंदिर को बदनाम करने की हो रही साजिश

चेन्नई,एजेंसी। तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में कर्नाटक के धर्मस्थल मामले के पीछे एक बड़ी साजिश का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि एक नकाबपोश व्यक्ति ने कर्नाटक की पूरी सरकारी मशीनरी को घुमाकर रख दिया है और उसका एकमात्र उद्देश्य सनातन धर्म के स्तंभों में से एक धर्मस्थल मंदिर को बदनाम करना है। इस मामले के पीछे गहरी साजिश है। अन्नामलाई ने कहा कि कर्नाटक सरकार ने एक नकाबपोश व्यक्ति के आधारहीन दावों को सत्यता दे दी है, जबकि उसके दावों का कोई सबूत भी

नहीं है। जल्दबाजी में एसआईटी बनाकर 13 जगहों पर खुदाई भी शुरू कर दी गई। हालांकि खुदाई वाली जगह से सिर्फ एक कंकाल मिला है और वो भी पुरुष का है। एक दूसरी जगह पर भी एक कंकाल मिला, लेकिन वह भी पुरुष का था और जांच में पता चला है कि जिसका कंकाल मिला है, उसने आत्महत्या की थी। यह नकाबपोश के दावों से मेल नहीं खाता।

भाजपा नेता ने कहा कि श्सुजाता भट्ट नाम की महिला ने साल 2003 से अपनी बेटी के गुम होने का दावा किया, लेकिन बाद में उसने स्वीकार किया कि उसकी कोई बेटी ही नहीं है और फर्जी शिकायत दर्ज कराने के लिए कुछ लोगों ने उस पर दबाव बनाया था।श गौरतलब है कि कर्नाटक पुलिस ने शिकायतकर्ता नकाबपोश को गिरफ्तार कर लिया है। इस पर अन्नामलाई ने कहा कि इस गिरफ्तारी से ये मामला खत्म नहीं हुआ है बल्कि इस बात का पता लगाया जाना चाहिए कि उसके पीछे कौन है? कौन इसका मास्टरमाइंड है? धर्मस्थल को बदनाम करने से किसको फायदा होगा? अन्नामलाई ने कर्नाटक सरकार पर आरोप लगाया कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार इन सभी सवालों को दबाना चाहती है।

मानसून सत्र को बाधित करने के तरीके खोजती रही सरकार–टीएमसी

नई दिल्ली,एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर से लेकर बिहार में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर हुए हंगामे के साथ संसद का मानसून सत्र 21 अगस्त बृहस्पतिवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। सत्र के दौरान हंगामे के चलते संसद के 166 घंटे बर्बाद हो गए। इससे जनता के टैक्स के करीब 248 करोड़ रुपये डूब गए। संसद का मानसून सत्र समाप्त होने के बाद टीएमसी नेता डेरेक ओ ब्रायन ने केंद्र सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि केंद्र पूरे मानसून सत्र के दौरान बचाव की मुद्रा में रहा। केंद्र सरकार मानसून सत्र को बाधित करने के तरीके खोजती रही टीएमसी ने एक्स पर सत्तारूढ़ गठबंधन को कमजोर कहा। उन्होंने कहा कि पूरे मानसून सत्र में 239 सीटों वाला मोदी गठबंधन रक्षात्मक मुद्रा में रहा। भारत के उपराष्ट्रपति लापता हो गए और भाजपा को अभी तक नया राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं मिला। वोट चोरी घोटाला भी हुआ। दबाव में आकर उन्होंने पूरे सत्र को प्रभावित करने और बाधित करने के तरीके खोज निकाले। ऑपरेशन सिंदूर से लेकर बिहार में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर हुए हंगामे के साथ संसद का मानसून सत्र 21 अगस्त बृहस्पतिवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। यह सत्र सरकार और विपक्ष के बीच लगातार टकराव, अंतिम दो सप्ताह में थोक में निपटाए गए विधायी कामकाज, जगदीप धनखड़ के उपराष्ट्रपति पद से अचानक इस्तीफे और जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव की प्रक्रिया शुरू करने के कारण चर्चा में रहा।

तीजोत्सव पर झूमी महिलाएं, लूटी वाहवाही

प्रयागराज। इनरव्हील क्लब ऑफ इलाहाबाद नॉर्थ की ओर से सिविल लाइंस स्थित एक होटल में हर्षोल्लास से तीजोत्सव और श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया। इस मौके पर महिलाओं ने

कजरी और सावनी गीत प्रस्तुत कर वाहवाही लूटी। महिलाओं ने रिश्तों की डोर थीम पर केंद्रित मोहक नृत्य की प्रस्तुति की। राधा–कृष्ण के रूप में नृत्य नाटिका की प्रस्तुति की। कार्यक्रम का शुभारंभ मंडल अध्यक्ष प्रिया नारायण ने किया। स्वागत कविता और रेणु कत्याय ने किया। इस मौके पर संगीता, रेहना, वर्षा, रूशी, सुमान, रीता मौजूद रहीं। आभार ज्ञापन गीता सचदेव ने किया।

राहत: कानपुर बैराज से गंगा में डिस्चार्ज घटा

प्रयागराज। प्रयागराज के कछारी इलाकों में मंडरा रहा बाढ़ का खतरा टलने की संभावना है। कानपुर बैराज से गंगा में पानी छोड़ने की मात्रा बढ़ाए जाने की वजह से खतरा बढ़ रहा था। बैराज से अब पानी छोड़ने की मात्रा घटाई जा रही है।

बैराज से शनिवार को गंगा में चार लाख 405 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। बैराज से शुक्रवार को चार लाख 19 हजार और गुरुवार को चार लाख 21 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया था। बैराज से चार लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़े जाने की वजह से प्रयागराज के फाफामऊ और छतनाग में गंगा का जलस्तर धीमी गति से बढ़ रहा था। सिंचाई विभाग (बाढ़ प्रखंड) के कंट्रोल रूम के अनुसार शनिवार सुबह फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 79.31 मीटर, छतनाग में 78.79 मीटर रहा। नैनी में यमुनास का जलस्तर 79.26 मीटर दर्ज किया गया।

मेला से पहले ट्रांसफॉर्मर कवर करें: राजेश

प्रयागराज। मुख्य अभियंता राजेश कुमार ने शुक्रवार को दधिकांदो मेला की तैयारियों के मद्देनजर सलोरी और धूमनगंज में निरीक्षण किया। सलोरी में बिजली के तारों और ट्रांसफार्मरों को देखा। इस दौरान उन्होंने निर्देश दिया कि जो भी ट्रांसफार्मर खुले में हैं, उनको कवर कराया जाए। मेला से पहले वे ठीक हो जाएं। इसके बाद वे धूमनगंज पहुंचे। मेला के दौरान हमेशा सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। चीफ इंजीनियर ने एसडीओ को मेला के दौरान विकल्प के रूप में ट्राली ट्रांसफार्मर रखने का निर्देश दिया है। ताकि लोड बढ़ने या कोई समस्या के दौरान उसका इस्तेमाल किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने किया 'बिजनेस ला पुस्तक का विमोचन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्याम प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर (वाणिज्य

विभाग) डॉ. सर्वेश सिंह की पुस्तक बिजनेस ला का विमोचन किया। विमोचन समारोह में डॉ. सर्वेश सिंह के साथ उनके पिता एवं इलाहाबाद विश्वविद्यालय भूगोल विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. बीएन सिंह भी मौजूद रहे।

काल्विन अस्पताल में बनेगी नई क्रिटिकल केयर यूनिट

प्रयागराज। पुराने शहर के कॉल्विन अस्पताल में 100 बिस्तरों की क्रिटिकल केयर यूनिट का निर्माण किया जाएगा। यूनिट के लिए नया भवन बनाने की कवायद शुरू हो गई है। यूनिट में गंभीर बीमारियों का इलाज होगा। अस्पताल परिसर में भवन बनाने की जिम्मेदारी सीएंडडीएस (कंस्ट्रक्शन एंड डिजाइन सर्विस) को सौंपी गई है। स्वास्थ्य विभाग से निर्देश मिलने के बाद सीएंडडीएस ने अस्पताल परिसर में क्रिटिकल केयर यूनिट के भवन के लिए जमीन का सर्वे करना शुरू किया है।

अंग्रेजों की गोली का शिकार होने के बाद भी नहीं मिला शहीद का सम्मान

प्रयागराज। करमा भारत में अंग्रेजों ने लगभग दो सौ वर्षों तक शासन किया। देश को अंग्रेजों की दासता से मुक्त कराने के लिए भारत के अनेक रणबांकुरों ने जगह जगह आंदोलन चलाया। देश को स्वतंत्र कराने के लिए हर कोने से युवक स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़े। अथक प्रयास के बाद 15 अगस्त 1947 को भारत आजाद हुआ। स्वतंत्रता आंदोलन के इस महायज्ञ में करमा का क्षेत्र भी पीछे नहीं रहा। करमा सहित आसपास के गांव के युवकों ने देश को आजाद कराने में कोई कसर नहीं छोड़ा। इसी आंदोलन को अंजाम तक पहुंचाने के लिए करमा में आंदोलनकारियों ने 14 अगस्त 1942 को करमा का डाकघर लूटकर अपना विरोध प्रदर्शित किया। यह सूचना आग की तरह चारों ओर फैल गई। थोड़ी ही देर में अंग्रेज सिपाहियों का दल करमा पहुंचा तो सभी युवक मौके से भाग गए। कालीचौरा के पास खड़े युवक ललऊ मिश्र अंग्रेज सिपाहियों के सामने पड़े तो उन्हें गोलियों से छलनी कर दिया गया। अंग्रेज ललऊ का शव भी अपने साथ उठा ले गए। गांव वालों व उनके परिवार के लोगों ने उसी जगह पर उनका स्मारक बनवा दिया लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि किसी भी सरकारी अभिलेख में शहीद ललऊ मिश्र का नाम नहीं आया। पंडित रामप्रसाद उर्फ ललऊ का जन्म सन 1904 में करमा के मिश्र परिवार में हुआ। उनके पिता का नाम सरयू प्रसाद तथा मां का नाम रुक्मिणी देवी था। बचपन से ही उनमें क्रांतिकारी भावना देख पिता ने 18 वर्ष की उम्र में ही उनका विवाह शकुंतला देवी के साथ करवा दिया। ललऊ के काशीप्रसाद व प्रेमनाथ दो पुत्र तथा बिट्टन देवी पुत्री हुई लेकिन देशप्रेम के प्रति उनका जज्बा कम नहीं हुआ। करमा में बंशीलाल जायसवाल कप्तान, श्रीकांत पाण्डेय, विश्वनाथ पाण्डेय, सहादेव जायसवाल, सालिकराम, कन्हैया लाल, संगमलाल जायसवाल, ननकू वर्मा आदि क्रांतिकारी नवयुवकों की टीम में ललऊ मिश्र भी शामिल हो गए और डाकघर लूट कर अंग्रेजी सरकार के प्रति अपना विरोध जताया। अंग्रेजों के शासनकाल में करमा से पूरब छीतूपुर में अंग्रेज सैनिकों की छावनी थी जहां रहकर वे आसपास की गतिविधियों पर नजर रखते थे तथा शांति व्यवस्था कायम रखते थे। करमा में डाकघर लूटे जाने की सूचना पर सैनिक मौके पर गए तो कालीचौरा के पास उनकी जीप कीचड़ में फंस गई। सैनिकों ने जीप को धक्का लगाने के लिए कुछ लोगों को बुलाया तो पास में छिपे ललऊ बाहर निकल आये और लोगों को धक्का लगाने से रोक दिया। बौखलाहट में एक सैनिक ने उन्हें गोली मारकर शहीद कर दिया और उनका शव जीप में रखकर चले गए। छीतूपुर में आज भी सैनिक छावनी के अवशेष के रूप में कुआं, पानी की टंकी आदि मौजूद हैं। सरकारी अभिलेखों में नहीं मिला शहीद का सम्मान ललऊ को गोली मारने के बाद सैनिक उनका शव उठा ले गए जिससे तत्कालीन अभिलेखों में उनका नाम नहीं आ सका जबकि उनके साथ स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने वाले सभी लोगों को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का दर्जा प्राप्त हुआ। केवल कौंधियारा विकास खंड परिसर में लगे शिलापट में ललऊ का नाम अंकित है। शहीद के पौत्र सूरज मिश्र व प्रपौत्र भानू मिश्रा ने इस मामले में जिले के अधिकारियों से मुलाकात की लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। अपने पूर्वज पर परिवार करता है गर्व भले ही सरकारी अभिलेख में ललऊ का नाम दर्ज न हो लेकिन उनका भरा पूरा परिवार इस बात पर गर्व महसूस करते हैं कि उनके बाबा ने देश के लिए कुर्बानी दी। करमा और आसपास के लोग भी ललऊ की कुर्बानी पर प्रतिवर्ष 14 अगस्त के दिन उन्हें याद करते हैं और उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उनके कृतित्व को याद करते हैं। करमा के पंचायत भवन का नाम भी उन्हीं के नाम पर रखा गया है। स्मारक

स्थल की दशा भी दयनीय प्रयागराज से चुनाव लड़ने वाले हेमवतीनंदन बहुगुणा, डॉ मुरलीमनोहर जोशी, जनेश्वर मिश्र, अमिताभ बच्चन, सरोज दुबे, कुंवर रेवतीरमण सिंह, के पी तिवारी, श्यामाचरण गुप्ता, रीता बहुगुणा जोशी आदि अनेक नेताओं ने शहीद का माल्यार्पण कर अपने चुनाव की शुरूआत की लेकिन शहीद स्थल के सौंदर्यीकरण की ओर किसी का ध्यान नहीं गया। गौहनिया करछना मार्ग शहीद के नाम पर करने की मांग 14 अगस्त को ललऊ मिश्र स्मारक पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें गौहनिया करछना मार्ग का नाम शहीद के नाम पर करने की मांग की गई। यह भी मांग रखी गई कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिवार को राष्ट्रीय आयोजनों में शामिल होने का आमंत्रण मिलना चाहिए ताकि वे गौरवान्वित महसूस कर सकें। बोले जिम्मेदार करमा के ललऊ मिश्र की शहादत पर सब को गर्व है। उनको शहीद का दर्जा न मिलना निराशाजनक है। जन आकांक्षाओं व उनके परिवार के लोगों के अनुसार स्मारक के सौंदर्यीकरण सहित अन्य बिंदुओं पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। – पीयूष रंजन निषाद, क्षेत्रीय विधायक कौंधियारा ब्लॉक के निर्माण के साथ ही मेरे पिताजी स्वर्गीय रमाकांत मिश्र विधायक के प्रयास से ब्लॉक परिसर में पूरे ब्लॉक के स्वन्त्रता संग्राम सेनानियों के नाम का शिलालेख लगाया गया जिसमें शहीद ललऊ मिश्र का नाम सबसे ऊपर है। करमा में बने उनके स्मारक की स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण पर काम होगा। –इंद्रनाथ मिश्र, ब्लॉक प्रमुख कौंधियारा

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद उस समय किन्हीं कारणों से ललऊ मिश्र को भले ही सरकारी तौर पर शहीद की मान्यता नहीं मिली लेकिन करमावासियों को उनपर गर्व है। उनके सम्मान में करमा के पंचायत भवन का नाम शहीद पंडित ललऊ मिश्र पंचायत भवन रखा गया है। –अमरीश जायसवाल , प्रधान करमा मेरे द्वारा स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने वाले शहीदों व सेनानियों पर शोध किया गया तो अभिलेख में करमा के लल्लन मिश्र का नाम शहीद के रूप में मिला जिसके बाद उन्हें शहीदवाल पर स्थान दिया गया। 14 अगस्त को शहीद वॉल पर बैंड वादन के साथ उन्हें याद किया गया। –वीरेंद्र पाठक, शहीदवॉल प्रयागराज के संस्थापक हम लोगों को इस बात से निराशा अवश्य है कि उस समय किसी कारणवश बाबा की शहादत सरकारी अभिलेखों में दर्ज नहीं हो सकी लेकिन जब क्षेत्र के लोग उनकी कुर्बानी को याद करते हुए हमारे परिवार को विशेष सम्मान देते हैं तो गर्व की अनुभूति होती है। –भानू मिश्रा, शहीद ललऊ मिश्र के प्रपौत्र यह मेरा सौभाग्य है कि मैं शहीद परिवार की बहू हूं। लोग हमारे परिवार को बहुत सम्मान देते हैं। अब जब जन जन के द्वारा यह मालूम हो गया है कि वे अंग्रेजों की गोली से शहीद हुए थे तो सरकार को उन्हें अभिलेखों में शहीद की मान्यता दे देना चाहिए। –उमा मिश्रा, शहीद की प्रपौत्र वधू यह सर्वविदित है कि ललऊ मिश्र अंग्रेजों की गोली का शिकार हुए थे तो उन्हें सरकारी अभिलेखों में शहीद का दर्जा देना सर्वथा उचित है। गौहनिया करमा करछना मुख्य सड़क का नाम भी ललऊ मिश्र मार्ग होना चाहिए जिससे आने वाली पीढ़ी उन्हें याद रखे। – आनंद जायसवाल, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के पुत्र मेरे पिता स्वर्गीय श्रीकांत पाण्डेय ने भी स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया था और ललऊ मिश्र सहित अन्य साथियों के साथ मिलकर अंग्रेजों के विरुद्ध आंदोलन किया। पिताजी को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का गौरव प्राप्त हुआ लेकिन साक्ष्य के अभाव में ललऊ मिश्र को शहीद का दर्जा नहीं मिल सका। –केशव पाण्डेय, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के पुत्र शहीद ललऊ मिश्र की शहादत पर गांव ही नहीं पूरे क्षेत्र को गर्व है। उस समय करमा के कई युवाओं ने अंग्रेजों के विरुद्ध आंदोलन किया था। इसी आंदोलन में ललऊ मिश्र शहीद हुए। अंग्रेज सैनिक गोली मारने के बाद उनका शव उठा ले गए जिससे कोई साक्ष्य नहीं मिल सका। –जीतलाल जायसवाल, समाजसेवी करमा यह गर्व की बात है कि अंग्रेजों को भारत छोड़ने पर मजबूर करने के लिए चलाए जा रहे आंदोलन में करमा के जांबाजों की उल्लेखनीय भूमिका रही। क्षेत्र के कई लोगों को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बनने का अवसर मिला लेकिन शहीद ललऊ मिश्र का योगदान भुला दिया गया। – नरेंद्र कुमार जायसवाल, समाजसेवी करमा शहीद ललऊ मिश्र युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। देश को आजाद कराने के लिये उन्होंने जो कुर्बानी दिया वह युगों तक याद की जाएगी। आपके समाचार पत्र के माध्यम से यह मांग है कि देश के लिए बलिदान हो जाने वाले वीर पुरूष को अभिलेखों में शहीद का दर्जा दिया जाय। – शिवम कुमार, समाजसेवी करमा मैं अपने बाबा से बड़े दादा जी की कहानी सुनता हूं। बहुत अच्छा लगता है। पर गुस्सा आता है कि अंग्रेजों ने उन्हें गोली मार दिया। उस समय यदि मैं होता तो अपने बड़े दादा के हत्यारों को जरूर सजा देता। – श्लोक मिश्र, शहीद की छठीं पीढ़ी का बालक

लोकतंत्र सेनानी बनकर 49 साल तक ली पेंशन, एक युवक ने हड़प लिए 18 लाख रुपये

प्रयागराज। आपातकाल के दौरान जेल में बंद लोकतंत्र रक्षक सेनानियों को सरकार ने पेंशन देने की बात की तो इसमें भी ऐसे लोग निकल आए जिन्होंने इसे कमाई का जरिया बना लिया। कीडगंज के एक शख्स ने एक–दो नहीं, बल्कि 49 सालों तक पेंशन ली और बाद में जब इसकी शिकायत सरकार से की गई तो शासन ने जांच का निर्देश दिया। जांच में शिकायत सही पाई गई।

1975 में जब आपातकाल लागू हुआ तो तमाम लोग जेल में बंद हुए। जिले के भी कई लोग इसमें शामिल थे। बाद में आपातकाल खत्म हुआ और दूसरी सरकार आई तो इस काल में जेल में बंद लोगों को मीसा बंदी का नाम दिया गया और उन्हें पेंशन दी जाने लगी। कीडगंज कृष्णा नगर के निवासी राजेश कुमार गुप्ता को भी पेंशन दी जाने लगी। राजेश ने इतने सालों में 18 लाख से अधिक राशि पेंशन के रूप में ली।

पिछले साल जिले के अमरेश कुमार ने इसकी शिकायत शासन में की और कहा कि उन्हें गलत पेंशन मिल

रही है। सरकार इसकी जांच कराए। प्रदेश सरकार ने जांच का आदेश दिया तो छह सदस्यीय कमेटी बैठाई गई और मामले की जांच हुई। जांच कमेटी ने रिपोर्ट सही पाई और पेंशन निरस्त कर रिकवरी का आदेश दिया।

20 हजार रुपये दी जाती है पेंशन

लोकतंत्र रक्षक सेनानियों को वर्तमान में 20 हजार रुपये की मासिक पेंशन दी जाती है। इसकी शुरुआत 500 रुपये महीने से हुई थी। बाद में प्रदेश की सरकारों ने अलग–अलग समय में इसे बढ़ाया और वर्तमान में 20 हजार रुपये की पेंशन दी जा रही है।

जिले में 114 लोकतंत्र रक्षक

जिले में वर्तमान में 114 लोग लोकतंत्र रक्षक सेनानी हैं। इन लोगों को पेंशन दी जा रही है। पेंशन के लिए प्रशासन में एक कर्मचारी अलग से नियुक्त है और विशेष वरियता पर इनकी पेंशन जारी करने का निर्देश दिया गया है।

अफसरों पर हो सकती है कार्रवाई

शासन के निर्देश पर सही पाए जाने के बाद अब उन अफसरों पर भी कार्रवाई की हो सकती है, जिनके समय में यह आदेश बनाया गया और जिनके कार्यकाल में पेंशन जारी की गई। एडीएम प्रशासन, पूजा मिश्रा ने कहा कि कीडगंज के राजेश कुमार के खिलाफ आई शिकायत के बाद जांच कराई गई। बाकायदा छह सदस्यीय कमेटी बैठी थी, जिसने यह पाया कि पेंशन का गलत तरीके से भुगतान लिया गया है। उनकी पेंशन निरस्त कर दी गई है।

अब नकल रोधी और दस नए कानून के जानकार बनेंगे एपीओ

प्रयागराज। प्रयागराज संजोग मिश्र सहायक अभियान अधिकारी (एपीओ) भर्ती की प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा के पाठ्यक्रम में संशोधन होने जा रहा है। अब अभ्यर्थियों से मुख्य परीक्षा में उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) अधिनियम 2024 समेत दस नए कानूनों से जुड़े सवाल पूछे जाएंगे। इन्हें पाठ्यक्रम में शामिल करने का प्रस्ताव भेजा गया है। मुख्य परीक्षा में एक नया प्रश्नपत्र अन्य अधिनियम जोड़ते हुए इसमें नकलरोधी समेत कई अधिनियमों को सम्मिलित किया जाएगा। प्रारंभिक परीक्षा के भाग एक में सामान्य ज्ञान का प्रश्नपत्र तो 50 अंकों का ही होगा। 100 अंकों के भाग दो विधि में संशोधन किया जा रहा है। पहले 100 अंकों में से भारतीय दंड संहिता से 35, दंड प्रक्रिया संहिता 25, भारतीय साक्ष्य अधिनियम 25 और उत्तर प्रदेश पुलिस अधिनियम और नियमावली से 15 अंक के सवाल पूछे जाते थे। अब भारतीय न्याय संहिता से 30 अंक, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता से 25, भारतीय साक्ष्य अधिनियम से 20, उत्तर प्रदेश पुलिस अधिनियम और नियमावली से 15 अंक और भारतीय संविधान से 10 अंक के सवाल पूछे जाएंगे। मुख्य परीक्षा में पहले सामान्य ज्ञान के 100 अंक, सामान्य हिन्दी के 100, क्रिमिनल लॉ एंड प्रोसीजर से 100 और साक्ष्य अधिनियम से 100 कुल 400 अंकों के सवाल पूछे जाते थे। अब मुख्य परीक्षा में 500 अंकों के प्रश्न पूछे जाएंगे और अंग्रेजी को भी अनिवार्य कर दिया गया है। संशोधित नियमावली में सामान्य हिन्दी से 100, सामान्य अंग्रेजी 50, सामान्य ज्ञान 50, क्रिमिनल लॉ एंड प्रोसीजर से 100, साक्ष्य अधिनियम से 100 और अन्य अधिनियम से 100 कुल 500 अंकों के प्रश्न पूछे जाएंगे। सितंबर में विज्ञापन जारी करेगा आयोग प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने एपीओ भर्ती की तैयारी शुरू कर दी है। आयोग को लगभग 210 पदों का अधियाचन प्राप्त हो चुका है और संशोधित नियमावली मिलने के बाद सितंबर के दूसरे सप्ताह तक विज्ञापन जारी कर दिया जाएगा। इससे पहले 2022 में एपीओ की भर्ती आई थी।

अमृत भारत एक्सप्रेस को सूबेदारगंज स्टेशन पर दिखाई हरी झंडी

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से गया–दिल्ली के बीच अमृत भारत एक्सप्रेस हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। गया से चलकर यह ट्रेन शुक्रवार शाम को सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन पहुंची तो यहां पर यात्रियों का भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद मुख्य अतिथि विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह एवं विधायक दीपक पटेल ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर स्टेशन पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजन किया गया।

मुख्य अथिति सिद्धार्थ नाथ सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेलमंत्री अश्वनी वैष्णव का आभार व्यक्त किया कि आम जनता की सुविधाओं के लिए अमृत भारत ट्रेन का संचालन गया से 28 अगस्त और दिल्ली से 29 अगस्त से सूबेदारगंज स्टेशन पर ठहराव किया गया है।

इस ट्रेन का नियमित होगा। इस अवसर पर डीआरएम रजनीश अग्रवाल ने बताया कि प्रयागराज मंडल से पहले से संचालित अमृत भारत ट्रेनों को यात्रियों का जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। इन ट्रेनों की औसत सीट भराव क्षमता 120 प्रतिशत से अधिक है, और कई रूटों पर यह 140 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। इससे पूर्व आयोजित निबंध, चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को विधायक सिद्धार्थ ने पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन वासुदेव पांडेय ने किया।

सेना की सहमति के बाद तैयार होगा मेट्रो लाइट का डीपीआर

प्रयागराज। प्रयागराज में मेट्रो लाइट ट्रेन संचालन की फाइनल योजना सेना की सहमति से बनाई जाएगी। मेट्रो लाइट का रूट और यार्ड सैन्य भूमि पर बनाने का प्रस्ताव है। इसके लिए सेना की सैद्धांतिक स्वीकृति लेने का निर्णय लिया गया है। सैद्धांतिक स्वीकृति के लिए मेट्रो लाइट की योजना तैयार करने वाली रेलवे की इकाई राइट्स के अधिकारी ट्रेन संचालन के लिए प्रस्तावित दोनों रूटों में पड़ने वाली सैन्य भूमि का संयुक्त निरीक्षण करेंगे। निरीक्षण के बाद सेना के अधिकारी रूट और मेट्रो लाइट के लिए छिवकी में यार्ड बनाने की अपनी सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान करेंगे। मेट्रो लाइट निर्माण के नोडल प्रयागराज विकास प्राधिकरण के कार्यवाहक मुख्य अभियंता कौशलेंद्र चौधरी ने बताया कि राइट्स और सेना के अफसर बीते सोमवार को ही सैन्य भूमि पर प्रस्तावित रूट और यार्ड का एकसाथ निरीक्षण करने वाले थे, लेकिन अपरिहार्य कारणों से यह संभव नहीं हो सका। अब संयुक्त निरीक्षण की अगली तारीख तय की जाएगी। कार्यवाहक मुख्य अभियंता के अनुसार मेट्रो लाइट ट्रेन संचालन के लिए दो रूट निर्धारित किए गए हैं। इसका प्रस्तावित डीपीआर तैयार कर शासन को भेजा गया है। संयुक्त निरीक्षण के बाद सेना से सैद्धांतिक स्वीकृति लेकर डीपीआर तैयार कर शासन को भेजा जाएगा। सैद्धांतिक स्वीकृति के लिए सारी औपचारिकता पूरी की जाएगी।

तीज महोत्सव का रंगारंग आयोजन इनर व्हील क्लब ऑफ इलाहाबाद

प्रयागराज। इनर व्हील क्लब ऑफ इलाहाबाद के सौजन्य से 23 अगस्त को सिविल लाइंस स्थित एक होटल में तीज महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता दीप्ति गुप्ता व मीना गुप्ता जी ने की। उनके संरक्षण में विविध रंगारंग प्रस्तुतियाँ जैसे नृत्य, गीत–संगीत एवं मनोरंजक खेलों

का आयोजन हुआ, जिसमें सभी सदस्य उत्साहपूर्वक शामिल हुईं। यह आयोजन न केवल सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने का एक प्रयास था, बल्कि आपसी फैलोशिप और मिलनसारिता को भी बढ़ावा देने का माध्यम बना। क्लब की अध्यक्ष नूपुर कपूर, सचिव शालिनी अग्रवाल, संपादक आरती अग्रवाल, सीमा सिंघल, नेहा ,गीत चतुर्वेदी, मंजुला गर्ग, किरण चावला, तान्या ढल,समेत कई सदस्य सक्रिय रूप से उपस्थित रहीं और कार्यक्रम को सफल बनाया। तीज महोत्सव का यह उत्सव सभी के लिए आनंद और सौहार्द का संदेश लेकर आया।

प्रगति ग्रामोद्योग एवं समाज कल्याण समिति संस्थान द्वारा कराया गया बाल संरक्षण कार्यक्रम

प्रयागराज। जिले में करछना ब्लॉक के सभी विद्यालय में चलाया जा रहा है बाल संरक्षण और बाल विवाह कार्यकम जिसमे प्रगति ग्रामोद्योग एवं समाज कल्याण समिति संस्थान से अब्दुल रहमान ने एक एक क्लस्टर के सभी विद्यालय के

अध्यापकों और छात्रों को दिया बाल संरक्षण प्रशिक्षण ! बाल संरक्षण प्रशिक्षण में बाल श्रम , बाल विवाह , बाल तस्करी, और बाल शोषण के बारे में भी जानकारी दी गई और इसे रोकने के लिए जागरूक किया गया! जिससे बच्चे जागरू होकर अपने अधिकार को जान सके और स्वयं निर्णय ले सके और अपने अधिकार के प्रति सजग जो सके।

शहर समता विचार मंच (महिला) कानपुर इकाई की अगस्त माह की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

कानपुर। शहर समता विचार मंच महिला गोष्ठी कानपुर इकाई की महिला काव्य गोष्ठी श्रद्धा श्रीवास्तव के संयोजन में तथा सीमा वर्णिका की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि हरप्रीत कौर तथा विशिष्ट अतिथि पूनम पांडे व डॉ हेमा पांडे रहीं। यह काव्य गोष्ठी

सायंकाल 4.30 बजे से 5.45 बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही सीमा द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति शिप्रा सिंह द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन श्रद्धा श्रीवास्तव ने किया। इस काव्य गोष्ठी में डॉ. हेमा पांडे, पूनम पांडे, डॉ. सुषमा त्रिपाठी, हरप्रीत कौर, सुनीता गुप्ता, सुषमा सिंह उर्मि, शिप्रा सिंह, सुषमा सेंगर, श्रद्धा श्रीवास्तव तथा सीमा वर्णिका ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चाँद लगा दिये। अध्यक्षीय सम्बोधन के बाद धन्यवाद ज्ञापन कानपुर इकाई की जिलाध्यक्ष सीमा वर्णिका ने किया।

यूपी में मंत्री के बेटे को अनधिकृत प्रोटोकॉल, निजी सचिव पर गिरी गाज

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार में जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के बेटे अभिषेक सिंह को बिना आधिकारिक पद के वीआईपी प्रोटोकॉल दिलाने का मामला सामने आने के बाद सख्त कार्रवाई की गई है। इस मामले में मंत्री के निजी सचिव आनंद शर्मा को उनके पद से हटा दिया गया है। इस घटना ने लखनऊ से लेकर दिल्ली तक बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व में नाराजगी पैदा की थी, जिसके बाद यह कदम उठाया गया।

गोरखपुर में ऑल इंडिया स्माल एंड मीडियम न्यूजपेपर फेडरेशन के बैनर तले एफिडेविट का मनाया गया स्थापना दिवस

पत्रकारों के हित में संगठन हमेशा रहेगा आगे: अध्यक्ष सरदार श्री गुरिंदर सिंह

भारत के चौथे स्तंभ में कलम के सिपाहियों का सम्मान सर्वदा होने से उनमें ऊर्जा का कार्य करती है - महासचिव अशोक नवरतन

गोरखपुर। हमें इस बात का एहसास है कि हमारे हाथ बंधे हुए हैं। फिर भी हम अपनी जिम्मेदारी से नहीं भाग सकते। भारतीय मीडिया के लिए यह स्थिति भी चिंताजनक है कि भारत की मीडिया, विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में 151 वें स्थान पर है। कोई बात नहीं समय काल परिस्थितियाँ बदलती रहती हैं... लेकिन हमें जो भी लिखना है अपने कलम से हमेशा सच लिखना है।

यह कार्यक्रम राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गुरविंदर सिंह जी की अध्यक्षता में हुआ साथ ही मुख्य अतिथि के रूप में मेयर गोरखपुर भी मौजूद रहें!

सभी का पुष्प गुच्छ व मोमेंटो दे कर कार्यक्रम के होस्ट जनाब शोएब एहमद जी ने खैर मक़दम किया। तदोपरान्त सभी विद्यालय के छात्रों ने अपने कार्यक्रम की प्रस्तुति की। उसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरविंदर सिंह जी ने सभा को संबोधित किया और जनाब शोएब एहमद जी को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया साथ ही उनके जन्मदिन के मुबारक मौके पर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

फिर कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए सूचना विभाग लखनऊ में संयुक्त निदेशक पद से सेवानिवृत्ति सैयद अमजद हुसैन ने बताया कि लोकतंत्र में मीडिया एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है हालांकि, हाल के वर्षों में समाचारपत्र और मीडिया संस्थानों को लेकर लगातार चिंताएं व्यक्त की गई हैं। मीडिया की स्वतंत्रता पर सवाल उठने शुरू हो गए हैं। स्वतंत्र और निष्पक्ष पत्रकारों की आवजों को दबाने की कोशिश की गई है। मीडिया बाज़ार में बदलावों के कारण, खोजी

पत्रकारिता में भी कमी आई है। लेकिन फिर भी हमे मेहनत से काम करते रहना होगा। मेहनत और ईमानदारी से किया हुआ कोई काम व्यर्थ नहीं जाता। ऑल इंडिया स्माल एंड मीडियम न्यूज फेडरेशन के राष्ट्रीय महासचिव अशोक नवरत्न ने बताया कि समय–समय पर पत्रकारिता की चुनौतियां बदलती रही हैं। वर्तमान की बात करें तो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बहुत सी ऐसी खबरों को भी परोसा जाता है। जिनका सत्यता से दूर–दूर का कोई नाता नहीं होता। इसकी वजह से जनता का विश्वास कम हुआ है और पत्रकारों की सुरक्षा पर भी सवाल उठने लगा है। ऑल इंडिया स्माल एंड मीडियम न्यूज़ फेडरेशन द्वारा छोटे एवं मझले समाचार पत्र के हितों के लिए हर स्तर पर लड़ाई लड़ी जाएगी।

कार्यक्रम के अंत में एफडेविट के के मुख्य संपादक डा० मुमताज खान ने पत्रकारिता जगत के विभिन्न आयमों पर चर्चा करते हुए बताया कि किस तरह एफिडेविट डिजिटल नेटवर्क ने विगत 1 वर्षों में मीडिया के क्षेत्र में एक अलग पहचान बनाई है उन्होंने एफिडेविट के शीर्ष नेतृत्व एवं टीम को मुबारकबाद पेश करते हुए कहा कि सफलता का यह सफर आगे भी जारी रहेगा।

इस्लामिया कॉलेज ऑफ कॉमर्स बक्शीपुर गोरखपुर के ऑडिटोरियम में आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार एवं सम्मान समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

देश के विभिन्न प्रांतों से आए हुए ऑल इंडिया स्माल एंड मीडियम न्यूजपेपर फेडरेशन के सदस्यों को सम्मानित किया गया जिसमें अनिल त्रिपाठी, परवेज आलम, गौरव त्रिपाठी, नीरज गुप्ता, अनिल कुमार सिंह, पंकज शर्मा, अर्जुन द्विवेदी, विजय राज साहू, जितेंद्र वाजपेई, योगेश दीक्षित, मनोज मिश्रा, अर्चना गुप्ता, प्रियंका गुप्ता, सौरभ, तृष्णा, आशीष सक्सेना, सिराज अहमद, रमेश कुमार, इम्तियाज अहमद, बालाजी प्रजापति आदि लोग शामिल थे।

इसके अतिरिक्त गोरखपुर के कामिल खान अखिलेश चंद अरजुमंद बानो अजीत यादव मनोज सिंह विनय शर्मा अफजल खान एवं अरशद जमाल को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रांतो से आए समाचार पत्रों के संपादक वह प्रकाशक तथा संवाददाता सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

महिला सुरक्षा और रोजगार को लेकर सड़क पर उतरीं विधायक पल्लवी पटेल, पुलिस से हुई नोकझोंक

लखनऊ, (संवाददाता)। महिला सुरक्षा–आजादी संग सम्मानजनक रोजगार को लेकर शनिवार को अपना दल कमेरावादी महिला मंच के तत्वावधान में सिराथू विधायक डॉ पल्लवी पटेल ने सड़क पर उतर कर प्रदर्शन किया। इस दौरान पटेल के साथ बड़ी संख्या में महिलाओं ने प्रदर्शन कर मांग को दोहराया। बर्लिंगटन चौराहे पर जुटी अपना दल कमेरावादी महिला मंच की कार्यकर्ताओं ने सड़क पर उतर कर प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारी महिलाएं हर महिला को सुरक्षा और आजादी दो, सम्मानजनक रोजगार दो, केजी से पीजी तक महिलाओं की शिक्षा निशुल्क करो, रोजमर्रा की वस्तुओं की महंगाई पर रोक लगाओ आदि के नारे लगा रही थी। इस दौरान जुलूस जैसे ही विधान भवन की तरफ आगे बढ़ा, वहां पहले से मौजूद पुलिस प्रशासन ने रोक दिया।इस दौरान प्रदर्शनकारी महिलाओं की पुलिस से तीखी नोकझोंक और झड़प भी हुई। जिसके बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारी महिलाओं

को हिरासत में लेकर बसों में लादकर इको गार्डन भिजवा दिया। इस दौरान प्रदर्शन का नेतृत्व कर रही सिराथू विधायक डॉ पल्लवी पटेल ने कहा कि वर्ष 1999 में 23 अगस्त को इलाहाबाद के पी. डी. टंडन पार्क में अपना दल के संस्थापक डॉ सोनेलाल पटेल द्वारा आवाज उठाने पर बर्बर लाठीचार्ज और प्राणघातक हमला किया गया था। तभी से अपना दल प्रत्येक वर्ष दूसरी आजादी की प्रथम क्रांति के इस दिवस पर जनहित में आंदोलित रहता है। इस बार उत्तर प्रदेश की लखनऊ में आधी आबादी ने रसोई से लेकर खेत खलिहान, शिक्षा रोजगार के मुद्दों के साथ ही सुरक्षा एवं भागीदारी के लिए आंदोलन का बिगुल फूंका है। डॉ पटेल ने कहा कि अपना दल कमेरावादी हर महिला की सुरक्षा, निःशुल्क शिक्षा, उचित रोजगार की मांग करता है। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय और भागीदारी के बिना वंचितों खासकर महिलाओं के हितों की रक्षा नहीं हो सकती। इसलिए हम केंद्र एवं प्रदेश सरकार से तत्काल जातिवार जनगणना की तिथि घोषित करने और वंचित वर्ग के साथ ही महिलाओं को भी आबादी के अनुपात में भागीदारी सुनिश्चित करने की ठोस नीति बनाने की मांग करते हैं। उन्होंने कहा कि हम किसान कमेरों के घर की महिलाएं हैं। इसलिए छुट्टा जानवरों से निजात दिलाकर खेती बचाने, सहकारी समितियां पर खाद बीज की कमी से हो रही कालाबाजारी पर रोक लगाने की भी मांग करते हैं। इस दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं ने अपना दल के संस्थापक डॉ सोनेलाल पटेल की हत्या की सीबीआई जांच की भी मांग उठाई।

किसान नेता को थाने में बंद करने पर बवाल, भाकियू कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

लखनऊ, (संवाददाता)। भारतीय किसान यूनियन (अरा.) लोकतांत्रिक के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को सरोजनीनगर थाने का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं का आरोप था कि संगठन के युवा मोर्चा काकोरी ब्लॉक उपाध्यक्ष शुभम यादव को पुलिस ने अनुचित तरीके से गिरफ्तार कर थाने में बंद कर दिया। शुक्रवार रात शुभम यादव अपनी मौसी की बेटियों के बीच चल रहे जमीन विवाद को सुलझाने चंद्रशेखर आजाद नगर कॉलोनी गए थे। विवाद बढ़ने पर पुलिस ने उन्हें दोनों बहनों के साथ हिरासत में लेकर थाने पहुंचाया। थाने में शुभम पर शांतिभंग की आशंका में धारा 151 की कार्रवाई कर दी गई। आरोप है कि एक पुलिसकर्मी ने शुभम को छोड़ने के लिए 25 हजार रुपए की मांग की और पैसे न मिलने पर रिहाई से इनकार कर दिया। इस सूचना पर देर रात बड़ी संख्या में किसान यूनियन कार्यकर्ता थाने पहुंच गए और धरना शुरू कर दिया। एसीपी कृष्णा नगर विकास पांडे ने शनिवार सुबह मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभालने का प्रयास किया। लेकिन, जब दोपहर तक शुभम की रिहाई नहीं हुई तो कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच करना शुरू कर दिया। स्थिति बिगड़ने की आशंका पर पुलिस हरकत में आई और एसीपी कार्यालय से मुचलका मंगवाकर शुभम की रिहाई की प्रक्रिया पूरी की।

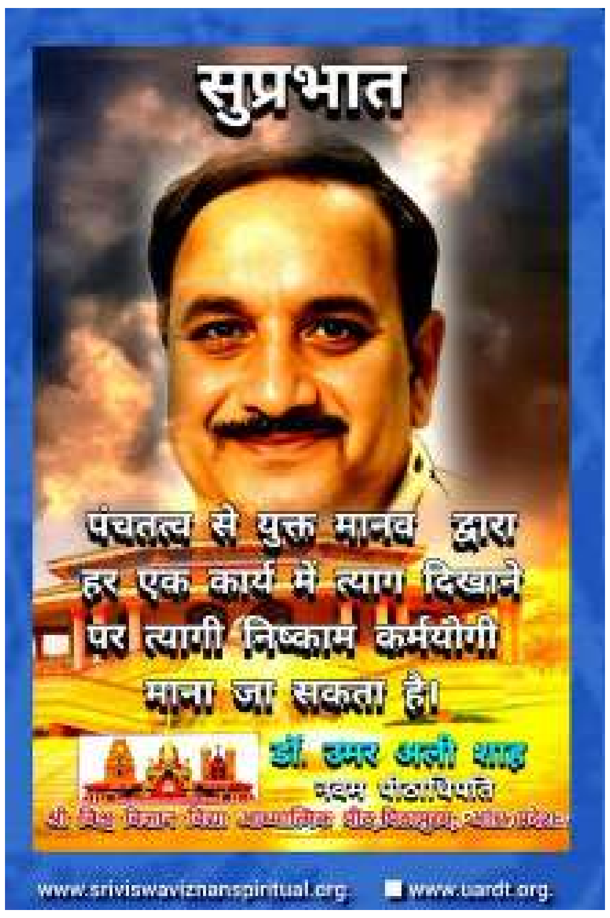

बाँध बौने से लगते

(कुण्डलिया)

कौन करेगा आकलन, देगा कौन हिसाब।
ख्वाब बहे क्यों बाढ़ में, मौसम हुआ खराब।
मौसम हुआ खराब, बाँध बौने से लगते।
विस्थापित जो लोग, उन्हें ही सब हैं ठगते।
सुन लो कहें प्रदीप,बात बस वही सुनेगा।
पीड़ा को जो समझ, बताए कौन करेगा।।

बाढ़ ले गई साथ में,जिसका घर–संसार।
खेत खेत खुशियाँ हुई, ख्वाब हुए लाचार।
ख्वाब हुए लाचार, हुए विस्थापित सारे।
देते थे जो दान, आज सब हैं बेचारे।
सुन लो कहें प्रदीप,वेदना कष्ट दे गई।
जीवन की हर खुशी, साथ में बाढ़ ले गई।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

भाजपा–चुनाव आयोग–अधिकारी की तिकड़ी डाल रही है वोटों की डकैती : अखिलेश यादव

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक बार फिर चुनाव आयोग, भाजपा और अधिकारियों पर निशाना साधा है। उन्होंने शनिवार को कहा कि भाजपा–चुनाव आयोग–अधिकारी की 'घपला तिकड़ी मिलकर 'वोट–डकैती कर रहे हैं। यादव ने अपने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा'' भाजपा–चुनाव आयोग–अधिकारी की 'घपला तिकड़ी मिलकर 'वोट–डकैती कर रही है। दरअसल ये वो तीन

तिगाड़ा है, जिनकी साठगांठ ने देश का वर्तमान–भविष्य बिगाड़ा है। गौरतलब है कि अखिलेश यादव लगातार भाजपा और चुनाव आयोग पर हर दिन वोट चोरी का आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने अपने एक बयान में कहा था कि भाजपा ने सत्ता का दुरुपयोग कर वोटों की डकैती की है। उपचुनाव में भी वोटों की डकैती हुई है। भाजपा गरीबों का वोट कटवा रही है। समाजवादी पार्टी ने 2022 में गलत तरीके से काटे गए वोटों को लेकर आवाज उठायी तो चुनाव आयोग ने नोटिस भेज दिया था। समाजवादी पार्टी ने वोटर लिस्ट से डिलीट किए गए 18 हजार वोटरों की सूची शपथ पत्र के साथ चुनाव आयोग को भेजी थी। लेकिन चुनाव आयोग ने कोई कार्रवाई नहीं की। जब वोट चोरी और वोट काटने का मामला उठा तो मुख्य चुनाव आयोग ने कह दिया कि कोई एफिडेविट नहीं मिला। सपा के पास हर एफिडेविट की रसीद है।

पहली से 10 रबी उल अव्वल ''अशरा रहमत'' मनाया जायेः खालिद रशीद

इदगाह लखनऊ में ऐतिहासिक जुलूस की आमद की तैय्यारियॉ शुरू

लखनऊ, (संवाददाता)। माहे रबी उल अव्वल की तैय्यारियों के सिलसिले में एक मीटिंग इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया में इमाम ईदगाह लखनऊ मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली चेयरमैन इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया की अध्यक्षता में आयोजित हुई। मीटिंग में यह निर्णय लिया गया कि हर साल की तरह इस साल भी पहली तारीख से 10 रबी उल अव्वल तक इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया की निगरानी में ऑल इण्डिया सुन्नी बोर्ड शहर की विभिन्न मस्जिदों और मोहल्लों में ''अशरा रहमत'' का आयोजन करेगा। इस का बुनियादी मकसद यह है कि नबी पाक सल्ल0 की सीरत से लोगों को अवगत कराया जाए और आप सल्ल0 के पैगाम–ए–रहमत को घर घर पहुंचाने की कोशिश की जाए। मीटिंग को सम्बोधित करते हुए मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने कहा कि 24 अगस्त 2025 को चॉद देखने का एहतिमाम किया जायेगा उस दिन चॉद हो जाता है तो पहली रबी उल अव्वल 25 अगस्त को वरना 26 अगस्त 2025 को होगी और मीलादुन्नबी सल्ल0 05 सितम्बर या 06 सितम्बर 2025 को होगा।

सम्पादकीय........

मनी गेमिंग पर रोक

यह एक हकीकत है कि ऑन लाइन मनी गेमिंग यदि लत बन जाए तो यह संपन्न व्यक्ति को भी बदहाल कर सकती है। एक आंकड़े के अनुसार देश में हर साल 45 करोड़ लोग बीस हजार करोड़ गवां देते हैं। सब कुछ गंवा कर आत्महत्या करने के मामले भी प्रकाश में आते हैं। सवाल इन लालच जगाने वाली मनी गेमिंग की पारदर्शिता को लेकर भी उठते रहे हैं। इन्हीं चिंताओं के बाद सरकार ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक 2025 लेकर आई है। जिसे अब गंभीर चर्चा के बिना संसद ने पारित भी कर दिया है। यह विधेयक पैसे से खेले जाने वाले किसी भी ऑनलाइन गेम को गैरकानूनी घोषित करता है। दरअसल, सरकार का मानना है कि ऑनलाइन मनी गेमिंग एक सामाजिक और जन स्वास्थ्य के लिये घातक समस्या है। सरकार के मुताबिक, वह ई–स्पोर्ट्स और सोशल गेमिंग को बढ़ावा देने के लिये उत्सुक है, जिसमें कोई वित्तीय जोखिम न हो। निर्विवाद रूप से हाल के वर्षों में ऑनलाइन स्किल गेमिंग उद्योग ने तेजी से विस्तार किया है। जिसमें पूर्व और वर्तमान क्रिकेटरों और फिल्मी सितारों के प्रचार की भी भूमिका रही है। यहां उल्लेखनीय है कि ऑनलाइन गेमिंग का वार्षिक राजस्व 31,000 करोड़ रुपये से अधिक है। इसके साथ ही यह हर साल प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों के रूप में बीस हजार करोड़ रुपये से अधिक का योगदान देता है। लेकिन इसके साथ चिंता का विषय यह भी है कि सुनहरे सब्जबाग दिखाने वाले कई ऑनलाइन गेमिंग एप लत, खेलने वाले आम लोगों के आर्थिक नुकसान और मनी लॉन्ड्रिंग को भी बढ़ावा देते हैं। यही वजह है कि ऑनलाइन गेमिंग में अपनी जमा पूंजी लुटाने वाले बदकिस्मत उपयोगकर्ता नाकामी के बाद आत्महत्या तक करने को मजबूर हो जाते हैं। निस्संदेह सरकार ने ऑनलाइन मनी गेमिंग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाकर एक बड़ा जोखिम भी उठाया है। इसमें सरकार को राजस्व की भारी हानि भी हो सकती है। वहीं तसवीर का दूसरा पक्ष यह भी है कि कई उद्यमी तेजी से उभरते इस गेमिंग व्यवसाय के पराभव की चिंता जता रहे हैं। बताया जाता है कि देश में जो ग्यारह सौ से अधिक गेमिंग कंपनियां तथा करीब चार सौ स्टार्टअप ऑनलाइन गेमिंग उद्योग से जुड़े हैं, जिनके नियमन के बारे में सोचा जा सकता था। उनकी चिंता है कि इससे बड़ी संख्या में नौकरियां जा सकती हैं। लेकिन सरकार का कहना है कि उसने जनकल्याण को ध्यान में रखकर यह फैसला लिया है। लेकिन दूसरी ओर चिंता जतायी जा रही है कि ऑनलाइन मनी गेमिंग के वैध प्लेटफॉर्म बंद होने से खेलने वाले लोग अनियमित विदेशी ऑपरेटरों के शिकार बन सकते हैं। इंटरनेट का विस्तृत दायरा और विदेशी ऑनलाइन ऑपरेटर विधेयक के प्रमुख उद्देश्यों को विफल करने की कोशिश कर सकते हैं। निस्संदेह, वित्तीय प्रणालियों की अखंडता के साथ–साथ राष्ट्र की सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा होनी चाहिए। माना जा रहा है कि इस नये कानून को बनाने की जरूरत संभवतरू छह हजार करोड़ रुपये वाले महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी घोटाले के बाद महसूस की गई। जिसकी जांच सीबीआई और ईडी कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ के कुछ शीर्ष राजनेताओं और नौकरशाहों पर सट्टेबाजी एप के यूएई स्थित प्रमोटरों के साथ संबंध होने के आरोप लगे हैं। जो कथित तौर पर हवाला कारोबार और विदेशों में धन–शोधन के कार्यों में लिप्त बताये जाते हैं। निस्संदेह, यह मामला सभी हितधारकों के लिये एक चेतावनी है, लेकिन इस बाबत कोई भी जल्दबाजी वाली प्रतिक्रिया नहीं दी जानी चाहिए। इसके बजाय, ऑनलाइन मनी गेमिंग के सख्त नियमन और इसे भारी कराधान के अधीन लाना एक व्यावहारिक समाधान हो सकता था। साथ ही पारदर्शिता और जवाबदेही पर जोर देकर उपभोक्ताओं के लिये सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाने की जरूरत थी। इस अभियान में गैर–कानूनी गतिविधियों में लिप्त प्लेटफॉर्मों पर जुर्माना भी लगाया जा सकता था। वहीं दूसरी ओर बड़े–बड़े दावे करने वाली मशहूर हस्तियों पर कार्रवाई भी की जा सकती थी। ऐसे में तेजी से उभरते इस आर्थिक क्षेत्र को डूबने से भी बचाया जा सकता था। कभी–कभी कड़े प्रतिबंध जैसे कठोर कदम उल्टा असर भी डाल सकते हैं।

विद्यार्थी से आरोपी बनते बच्चे

डॉ. दीपक पाचपोर

स्वतंत्र याचिकाकर्ताओं की मांग थी कि लोकसभा चुनाव (2024) के पहले यह सूची जारी होनी चाहिये ताकि नागरिकों को पता चल सके कि किस पार्टी ने किस कम्पनी से कितने पैसे लिये हैं जबकि इसके लिये सरकार तथा उसके इशारे पर एसबीआई तैयार नहीं थी।

बंगलुरु के तिलक नगर पुलिस स्टेशन में केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के खिलाफ दर्ज एफआईआर ने पूरी भारतीय जनता पार्टी को मुश्किल में डाल दिया है। यह एफआईआर बंगलुरु हाईकोर्ट के निर्देश पर की गयी है। इसके अनुसार सीतारमण एवं अन्य लोगों ने केन्द्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय का डर दिखाकर 8000 करोड़ रुपये से भी ज्यादा की राशि उगाही थी। जनाधिकार संघर्ष परिषद के सह अध्यक्ष आदर्श अय्यर ने बंगलुरु की जन प्रतिनिधियों की विशेष अदालत में एक शिकायत दर्ज की थी जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि चुनावी बॉन्ड्स के रूप में जबरन डरा–धमकाकर धन की वसूली की गयी है। एसीएमएम कोर्ट ने शिकायत की एक प्रति रिकॉर्ड के लिये थाने भेजने का भी निर्देश दिया है। एफआरआई के लम्बित होने के कारण सुनवाई 10 अक्टूबर तक के लिये टाली गयी है। शिकायतकर्ता के अनुसार सीतारमण ने ईडी अधिकारियों के माध्यम से जो जबरन वसूली की, उसमें अन्य भारतीय जनता पार्टी के नेताओं का भी सहयोग था। शिकायत में ईडी अधिकारियों तथा केन्द्रीय कार्यालय के अधिकारी तो शामिल हैं ही, कर्नाटक भाजपा के पूर्व सांसद नलिन कुमार कतील, भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेन्द्र एवं एक और भाजपा नेता शामिल है।आरोप है

कि वित्तमंत्री पद पर बैठी सीतारमण तथा अन्य लोगों ने 8000 करोड़ रुपयों की जबरन वसूली की। विभिन्न कार्पोरेट कम्पनियों के उच्चाधिकारियों को गिरफ्तारी का डर दिखाया गया तथा छापों की धमकी देकर भाजपा के लिये चुनावी बॉन्ड्स खरीदने पर मजबूर किया गया। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष की फरवरी में सुप्रीम कोर्ट ने भाजपा सरकार द्वारा 2019 में लाई गई इलेक्टोरल बॉन्ड्स की योजना को असंवैधानिक बतलाते हुए इसे लोगों के सूचना के अधिकार का हनन भी बताया था क्योंकि भाजपा सरकार उन लोगों के नाम जाहिर करने से इंकार करती रही जिन्होंने उसे इस रूप में चंदा दिया था। सरकार का यह कहना था कि जनता को इससे कोई सरोकार ही नहीं होना चाहिये कि किन लोगों ने किन राजनैतिक दलों को चंदा दिया है। ये बॉन्ड्स भारतीय स्टेट बैंक के जरिये खरीदे गये थे। स्वतंत्र याचिकाकर्ताओं की मांग थी कि लोकसभा चुनाव (2024) के पहले यह सूची जारी होनी चाहिये ताकि नागरिकों को पता चल सके कि किस पार्टी ने किस कम्पनी से कितने पैसे लिये हैं जबकि इसके लिये सरकार तथा उसके इशारे पर एसबीआई तैयार नहीं थी। बैंक अधिकारियों का कहना था कि इस काम के लिये उन्हें तीन माह का समय लग जायेगा। उद्देश्य यह था कि तब तक चुनाव निकल जाये तत्पश्चात ही ये आंकड़े सार्वजनिक किये जायें ताकि उसका चुनावी परिणामों पर असर न हो। देश की कारोबारी लॉबी ने भी इस मामले में शामिल होकर उच्चतम न्यायालय से गुजारिश की थी कि ऐसा न होने दिया जाये वरना उनकी साख पर भी बट्टा लग सकता है। सुप्रीम कोर्ट की कड़ाई के बाद जब ये आंकड़े केन्द्रीय निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर अपलोड हुए तो देश में तूफान खड़ा हो गया। उसके साथ ही ये जानकारियां भी सामने आईं कि किस तरह से छापेमारी तथा गिरफ्तारियों का डर दिखाकर कम्पनियों एवं कारोबारियों से भाजपा ने बॉन्ड्स खरीदवाये थे। इतना ही नहीं, यह भी सामने आ गया कि ईडी, आयकर, सीबीआई जैसी जांच एजेंसियों का किस तरह से दुरुपयोग भाजपा सरकार द्वारा किया गया था। ईडी तथा आयकर के सूत्र वित्त मंत्री के हाथों में होते हैं। इसलिये पहले से ही सीतारमण की ओर भी शक की सुइयां घूमती रही थीं। यह अलग बात है कि वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पीछे छिपती रहीं। नया खुलासा उसी श्रृंखला की एक कड़ी के रूप में देखा जाना चाहिये। वैसे तो पहले ही यह स्पष्ट हो चुका था कि भाजपा इन एजेंसियों के माध्यम से धन उगाही करती रही है, नयी बात तो यह है कि भाजपा का यह दावा भी खोखला साबित हो गया है कि इन एजेंसियों को सरकार की ओर से कोई निर्देश नहीं दिये जाते और उनके अधिकारियों को भ्रष्टाचार को रोकने की खुली छूट दी गयी है। इस आशय के बयान स्वयं मोदी संसद के भीतर तथा मीडिया में देते रहे हैं। इस एफआईआर ने साबित कर दिया है कि विपक्ष का यह आरोप बिलकुल सही था कि सरकार के इशारे पर ये छापेमारी तथा गिरफ्तारियां होती रही हैं जिसका उद्देश्य लोगों से धन उगाही करना है। इलेक्टोरल बॉन्ड्स के खुलासे के बाद ज्ञात हुआ कि न केवल छापेमारी के डर से कम्पनियों ने बॉन्ड्स खरीदे बल्कि बहुत से ए

सीपी राधाकृष्णन का चुना जाना लगभग तय

शकील अख्तर

सीपी राधाकृष्णन ने तमिलनाडु बीजेपी अध्यक्ष रहते हुए सभी भारतीय नदियों को जोड़ने, आतंकवाद को मिटाने, समान नागरिक संहिता लागू करने, छुआछूत समाप्त करने और नषे के खतरे से निपटने जैसी मांगो को लेकर 93 दिनों में 19 हजार किमी लंबी रथयात्रा निकाली थी। उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में अब सरकार और विपक्ष के प्रत्याशियों के मध्य मुकाबला होना तय हो गया है। सरकार द्वारा सीपी राधाकृष्णनको प्रत्याशी बनाए जाने के बाद इंडी ब्लाक ने भी सुप्रीम कोर्ट के सेवा निवृत्त न्यायाधीश सुदर्शन रेड्डी को अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया है। इस बार उपराष्ट्रपति के पद के दोनों ही प्रत्याशी एक ही प्रान्त तमिलनाडु से आते हैं। कांग्रेस व विरोधी दलों को लगा कि अगर एनडीए प्रत्याशी सीपी राधाकृष्णन देश के नये उपराष्ट्रपति बन जाते हैं तो फिर भारतीय जनता पार्टी राधाकृष्णन के माध्यम से दक्षिण विशेषकर तमिलनाडु में अपनी राजनीतिक जमीन को सशक्त करने का प्रयास करेगी क्योंकि जब बीजेपी ने पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को अपना प्रत्याशी बनाया था तब भाजपा को राजस्थान में राजनैतिक लाभ हुआ था और वहां उसकी सत्ता में वापसी हो गई थी। अब भाजपा ने सीपी राधाकृष्णन को अपना प्रत्याशी बनाकर तमिलनाडु की जनता व कार्यकर्ताओं को यही संदेश दिया है। कौन है सीपी राधाकृष्णन– संसद के दोनों सदनों के वर्तमान अंकगणित के अनुसार एनडीए प्रत्याशी सीपी राधाकृष्णन का विजयी होना सुनिश्चित है। महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन तमिलनाडु बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं तथा दो बार कोयंबटूर से लोकसभा सदस्य भी रह चुके हैं। सीपी राधाकृष्णन मात्र 16 वर्ष की अवस्था में ही 1974 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़कर समाज सेवा के कार्यों में लग गए और बाद में उनके राजनैतिक जीवन का आरम्भ हुआ। सीपी राधाकृष्णन कुछ समय तक झारखंड के भी राज्यपाल रहे, वह झारखण्ड राज्य के सभी जिलों का दौरा करने वाले राज्यपाल हैं। सीपी राधकृष्णन तेलंगना के राज्यपाल व पुडडुचेरी के उपराज्यपाल का अतिरिक्त कार्यभार भी संभाल चुके हैं। सी पी राधाकृष्णन तमिलनाडु की राजनीति में 40 वर्ष तक सक्रिय रहे जिसका प्रतिफल अब उन्हें उपराष्ट्रपति पद के रूप में मिलने जा रहा है। वह 1996 में भाजपा तमिलनाडु के सचिव नियुक्त हुए। 2004 में संयुक्तराष्ट्र महासभा में संसदीय प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में भाषण दिया और ताइवान की पहली संसदीय यात्रा में शामिल हुए। वह 2020 से 2022 तक केरल बीजेपी प्रभारी भी रहे। सीपी राधाकृष्णन एक बहुत अनुभवी तथा जमीनी कार्यकर्ता हैं जिन्हें इतना बड़ा उत्तरदायित्व प्राप्त हो रहा है। सीपी राधाकृष्णन ने तमिलनाडु बीजेपी अध्यक्ष रहते हुए सभी भारतीय नदियों को जोड़ने, आतंकवाद को मिटाने, समान नागरिक संहिता लागू करने, छुआछूत समाप्त करने और नषे के खतरे से निपटने जैसी मांगो को लेकर 93 दिनों में 19 हजार किमी लंबी रथयात्रा निकाली थी। माना जा रहा है कि भाजपा ने इस बार वैचारिक पृष्ठभूमि के नेता को प्राथमिकता दी है जिसका लाभ उसे दक्षिण की आगामी राजनीति में मिल सकता है। चुनावी राजनीति की दृष्टि से देखा जाए तो सीपी राधाकृष्णन के ओबीसी समाज से होने का लाभ भी बीजेपी को दक्षिण राज्यों के चुनावों में मिल सकता है। भाजपा अब कांग्रेस तथा विपक्ष के खिलाफ इस बात का माहौल भी बनाने का प्रयास करेगी कि विपक्ष ने ओबीसी समाज के प्रत्याशी को उपराष्ट्रपति बनने से रोकने का प्रयास किया यद्यपि बीजेपी प्रत्याशी का जीतना तय है क्योंकि उपराष्ट्रपति का चुनाव जीतने के लिए 392 वोट चाहिए जबकि एनडीए के पास 422 वोट हैं। उपराष्ट्रपति पद के लिए प्रत्याशी चयन करते समय भी कांग्रेस व विपक्ष की दोहरी मानसिकता बेनकाब हो गई है क्योंकि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने रामजन्मभूमि मंदिर का फैसला सुनाने वाले एक जज को राज्यसभा में भेजा था और एक को राज्यपाल बनाया था तब विपक्ष ने रिटायर्ड हो चुके जजों की नियुक्तियों का विरोध किया था और अब स्वयं ही एक रिटायर्ड जज को प्रत्याशी बना रही है।

लालबागचा राजाः सांस्कृतिक धरोहर और भक्तिभाव की मिसाल

अरुण कुमार श्रीवास्तव

मुंबई में गणेशोत्सव का पर्याय होता है, यहां के लालबाग का गणेश पंडाल। लालबागचा के राजा नाम से मशहूर मुंबई के इस गणेश पंडाल की चर्चा गणेशोत्सव के दौरान पूरी दुनिया में होती है। सन् 1934 में मुंबई का यह इलाका कोली समुदाय के मछुआरों और छोटे व्यापारियों का इलाका था। आज भी बड़ी संख्या में ये लोग यहां पर हैं, तब समुदाय के कुछ लोगों ने गणेशोत्सव के दौरान व्रत लेने का निर्णय लिया और इलाके में गणेश प्रतिमा स्थापित करने के लिए पंडाल बनाया। कहते हैं इन व्रत लेने वाले भक्तों ने अपने मन में मन्नत मानी थी कि यदि उन्हें इस इलाके में स्थायी बाजार मिल गया तो वे हर साल भगवान गणेश का यहां पंडाल लगाया करेंगे। यह उस समय की बात है जब पेरू चौक का बाजार बंद हो गया था। इस तरह भक्तों की मन्नत पूरी हुई, उन्हें लालबाग बाजार के लिए स्थान मिला। आभार स्वरूप 12 सितंबर, 1934 को यहां पहले सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल की स्थापना हुई और तब से लेकर आज तक मुंबई में लालबाग के राजा का पंडाल इसी जगह पर लगता है। चूंकि वह समय भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का समय था और सार्वजनिक गणेशोत्सव भी एक किस्म से अंग्रेजों

के विरुद्ध जंग ही थी। लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने सभी समुदाय के लोगों को इस सांस्कृतिक गोलबंदी के जरिये अंग्रेजों के विरुद्ध एकत्र किया था। पहला आधुनिक गणेशोत्सव 1893 में पुणे में स्थापित हुआ था। हालांकि इसकी शुरुआत 1890 से ही हो गई थी। वास्तव में लालबाग के राजा का गणेश पंडाल पुणे के गणेश पंडाल की तर्ज पर ही शुरू हुआ था। लालबागचा राजा के नाम से मशहूर यह पंडाल तब से आज तक उस परंपरा को पूरी धज के साथ संभाले हुए है। लालबागचा राजा की मुंबई और देश के लोगों में इतनी श्रद्धा इसलिए है, क्योंकि माना जाता है जो भी सच्चे मन से लालबाग के राजा का दर्शन करके मन्नत मांगता है, उसकी मनोकामना पूर्ण होती है। इसीलिए भक्त लोग श्रद्धा से इसे नवसाचा गणपति कहते हैं यानी वांछित इच्छा पूरी करने वाले भगवान गणेश। लालबाग के भगवान गणेश की इतनी मान्यता है कि एक से एक वीआईपी भक्त गणपति के दर्शन करने के लिए चार–चार घंटे चुपचाप लाइन में लगे रहते हैं। इस गणेश मंडल की व्यवस्था का औपचारिक रुप से दायित्व कांबली परिवार पर है। वर्ष 1935 से ही रतनाकर कांबली से शुरू होकर उनके पुत्र, उनके पुत्रों के पुत्र इस पारिवारिक परंपरा को संभाले हुए हैं। यहां स्थापित होने वाली मूर्ति के निर्माण और रक्षा की जिम्मेदारी इसी परिवार की पीढ़ी दर पीढ़ी संभालती है। लालबागचा के राजा का पंडाल इतना बड़ा होता है कि यहां हर साल जून महीने से इसकी व्यापक तैयारियां शुरू हो जाती है। विभिन्न पौराणिक ग्रंथों के अनुरूप कई आकृतियां निर्मित की जाती हैं, जिसमें सबसे यूनिक आकृति वाले भगवान गणेश का चयन किया जाता है, अंतिम रूप से स्थापना के लिए। गणेश बाल के राजा के नाम से मशहूर पंडाल की प्रतिमा विशेष तौर पर हल्के झुकाव के साथ आत्मीय मुस्कान से परिपूर्ण होती है। यहां पर भक्तों के दर्शनों के लिए दो लाइनें लगती हैं। एक नवसाची लाइन जिसमें भक्त मंच पर जाकर गणेश की पूजा करते हैं और क्रम से दर्शन पाते हैं। दूसरी लाइन को मुख दर्शनाची लाइन कहते हैं, इस लाइन में सिर्फ दर्शन होते हैं। नवसाची लाइन में दर्शन करने के लिए कभी कभी तो 25 से 40 घंटे तक लग जाते हैं। लालबागचा के राजा भगवान गणेश की जो आकृति यहां प्रतिस्थापित की जाती है, वह एक विशिष्ट आकृति होती है। इस प्रतिमा की सारी रचना परंपरागत गोल मटोल होती है। गौरतलब है कि लालबागचा के राजा की यह विशिष्ट डिजाइन का कॉपी राइट है, ऐसी प्रतिमा शहर ही नहीं, देश का कोई दूसरा पंडाल नहीं बनवा सकता और न ही अपने यहां स्थापित कर सकता है। मुंबई में चूंकि गणेशोत्सव मानसून के दौरान आता है, इसलिए मानसून की बारिश से इस मूर्ति की रक्षा करना चुनौती होती है।

मैं डरने वाली नहीं रिनी

केरल के एक नेता पर आरोप लगाने के बाद अब मलयालम अभिनेत्री रिनी पर साइबर हमले हुए हैं। इसको लेकर अभिनेत्री ने अब नेता को चेतावनी दी है। हाल ही में मलयालम अभिनेत्री रिनी एन जॉर्ज ने केरल की एक राजनीतिक पार्टी के एक नेता पर उन्हें आपत्तिजनक संदेश भेजने और उनके साथ अनुचित व्यवहार करने का आरोप लगाया। अब अभिनेत्री का कहना है कि इस खुलासे के बाद उन पर गंभीर साइबर हमला हो रहा है। अभिनेत्री ने इन साइबर हमलों के बाद चेतावनी देते हुए कहा कि अगर ये साइबर हमले उन पर जारी रहे तो उन्हें नेता का नाम बताने पर मजबूर होना पड़ेगा। रात से हो रहे साइबर हमले एक्ट्रेस रिनी ने बुधवार रात को नेता के बारे में खुलासा किया था और गंभीर आरोप लगाए थे। अब अभिनेत्री का कहना है कि इस खुलासे के बाद से ही उन पर साइबर अटैक हो रहे हैं। एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि बुधवार रात से कई महिलाओं ने उसी नेता द्वारा किए गए दुर्व्यवहार के अपने अनुभव साझा करने के लिए उनसे संपर्क किया है। उन्होंने कहा कि जिन महिलाओं के साथ ऐसा ही अनुभव हुआ है, उन्हें आगे आना चाहिए। रिनी ने कहा कि वह परिणामों से नहीं डरतीं और उनका सामना करने के लिए तैयार हैं। हालांकि, उन्होंने अभी तक यह तय नहीं किया है कि नेता के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगी या नहीं। एक्ट्रेस ने कहा कि उनके खुलासे मीडिया का ध्यान आकर्षित करने के लिए नहीं थे, बल्कि वह उस अपराधी नेता का पर्दाफाश करना चाहती थीं। एक दिन पहले अभिनेत्री ने लगाए थे आरोप इससे एक दिन पहले बुधवार को मलयालम अभिनेत्री ने पत्रकारों को बताया था कि एक युवा नेता ने उन्हें आपत्तिजनक संदेश भेजे थे और उन्हें एक होटल में बुलाया था। अभिनेत्री ने बताया था कि नेता को चेतावनी देने और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से शिकायत करने के बावजूद, उनका दुर्व्यवहार जारी रहा। हालांकि, उन्होंने उस नेता का नाम बताने से इनकार कर दिया। अब जब इस खुलासे के बाद उन पर साइबर अटैक हुए, तब अभिनेत्री ने यह धमकी दी है कि अगर उन पर ये साइबर हमले बंद न हुए तो वो नेता का नाम भी बता देंगी। गरमाई प्रदेश की सियासत इस बीच भाजपा ने बुधवार रात पलक्कड़ में एक कांग्रेस विधायक के कार्यालय तक विरोध मार्च निकाला और दावा किया कि अभिनेत्री ने जिस नेता का पर्दाफाश किया है, वह वही हैं। विधायक के कार्यालय पहुंचने से पहले ही पुलिस ने मार्च को रोक दिया। भाजपा ने विधायक के इस्तीफे और महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार के आरोप में उनके खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की है। वहीं पलक्कड़ जिला कांग्रेस नेतृत्व ने कहा कि उन्हें आरोपों का सामना कर रहे विधायक के खिलाफ कोई शिकायत नहीं मिली है। मलयालम अभिनेत्री रिनी एन जॉर्ज ने केरल की एक राजनीतिक पार्टी के एक युवा नेता पर आपत्तिजनक और अनुचित संदेश भेजने का आरोप लगाया है। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने पार्टी नेतृत्व को भी इस घटना की जानकारी दी थी, लेकिन कुछ नहीं हुआ। आइए जानते हैं आखिर एक्ट्रेस ने किस पर और क्या–क्या आरोप लगाए। 'होटल में आने के लिए कहा' बुधवार के दिन मलयालम अभिनेत्री रिनी एन जॉर्ज ने मीडिया से बात की। एक्ट्रेस ने बताया, श्मैं सोशल मीडिया के माध्यम से उस राजनेता के संपर्क में आई थी। उसका अनुचित व्यवहार तीन साल पहले शुरू हुआ था, जब मुझे पहली बार उससे आपत्तिजनक संदेश मिले थे।' आगे एक्ट्रेस ने आरोप लगाया कि उस नेता ने एक 5 स्टार होटल में कमरा बुक करने की भी पेशकश की और उन्हें वहां आने के लिए कहा। हालांकि, आपको बताते चलें कि अभिनेत्री ने नेता या उनकी पार्टी का नाम बताने से इनकार कर दिया। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से शिकायत की, लेकिन३ अभिनेत्री ने आगे बताया कि इस मामले की शिकायत उन्होंने युवा नेता की पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से की, लेकिन उन सबने इसे नजरअंदाज किया। इसके साथ ही पार्टी के आला अधिकारियों पर आरोप लगाते हुए एक्ट्रेस ने कहा, 'उनके बारे में मेरे मन में जो छवि थी, वह चकनाचूर हो गई है। मेरी शिकायत के बाद भी, उन्हें पार्टी में कई प्रमुख पद दिए गए।' पीड़ित महिलाओं के लिए उठा रहीं आवाज रिनी एन जॉर्ज ने कहा, 'मुझ पर कोई हमला नहीं हुआ है, मुझे तो बस ये संदेश मिले हैं। लेकिन अपने दोस्तों के माध्यम से मुझे पता चला कि कई अन्य महिलाओं को भी उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है और मैं उनके लिए आवाज उठा रही हूं।' अभिनेत्री रिनी एन जॉर्ज ने क्या आरोप लगाए मलयालम अभिनेत्री रिनी एन जॉर्ज ने कांग्रेस विधायक राहुल ममकूट्टाथिल पर आपत्तिजनक और अनुचित संदेश भेजने का आरोप लगाया है। साथ ही एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने पार्टी नेतृत्व को भी इस घटना की जानकारी दी थी, लेकिन कुछ नहीं हुआ। 'होटल में आने के लिए कहा' बीते दिन पत्रकारों से वार्ता करते हुए मलयालम अभिनेत्री रिनी एन जॉर्ज ने गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने बताया, श्मैं सोशल मीडिया के माध्यम से उस राजनेता के संपर्क में आई थी। उसका अनुचित व्यवहार तीन साल पहले शुरू हुआ था, जब मुझे पहली बार उससे आपत्तिजनक संदेश मिले थे।' आगे एक्ट्रेस ने आरोप लगाया कि उस नेता ने एक 5 स्टार होटल में कमरा बुक करने की भी पेशकश की और उन्हें वहां आने के लिए कहा। हालांकि, तब अभिनेत्री ने नेता या उनकी पार्टी का नाम बताने से इनकार कर दिया। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से शिकायत की, लेकिन३ अभिनेत्री ने आगे बताया कि इस मामले की शिकायत उन्होंने युवा नेता की पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से की, लेकिन उन सबने इसे नजरअंदाज किया। इसके साथ ही पार्टी के आला अधिकारियों पर आरोप लगाते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि उनके बारे में मेरे मन में जो छवि थी, वह चकनाचूर हो गई है। मेरी शिकायत के बाद भी, उन्हें पार्टी में कई प्रमुख पद दिए गए। कई और राजनेताओं के साथ भी ऐसा ही किया जॉर्ज ने आरोप लगाया कि कई राजनेताओं की पत्नियों और बेटियों के साथ ही आरोपी नेता ने इसी तरह का बर्ताव किया। उन्होंने सवाल करते हुए यह भी कहा कि ये राजनेता जो अपने परिवार की महिलाओं की रक्षा करने में असमर्थ हैं, वे किस महिला की रक्षा करेंगे? इसलिए किया बोलने का फैसला उन्होंने आगे कहा कि मैंने बोलने का फैसला इसलिए किया क्योंकि मैंने हाल ही में सोशल मीडिया पर देखा कि कई महिलाओं को इसी तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ा है। इनमें से कोई भी महिला इस बारे में एक शब्द भी नहीं बोल रही है। इसलिए मैंने सभी के लिए बोलने का सोचा। फिलहाल अभिनेत्री और मॉडल रिनी एन जॉर्ज ने इस मामले को लेकर कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई है। लेखिका हनी भास्करन ने भी लगाए ऐसे ही आरोप लेखिका हनी भास्करन ने भी पलक्कड़ से कांग्रेस विध ाायक और युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राहुल ममकूटथिल पर ऐसे ही आरोप लगाए हैं। फेसबुक पोस्ट में हनी भास्करन ने आरोप लगाया कि राहुल ने उनके सोशल मीडिया अकाउंट पर उन्हें कई विवादित मैसेज किए थे। कौन हैं राहुल मनकूट्टाथिल? राहुल मनकूट्टाथिल वर्तमान में पलक्कड़ निर्वाचन क्षेत्र से विधायक हैं और राज्य युवा कांग्रेस के अध्यक्ष भी हैं। शफी परम्बिल के इस्तीफे के बाद हुए उपचुनाव में राहुल ने जीत हासिल की थी।

एक्ट्रेस भूमिका चावला का नाम सुनते ही सबसे पहले जेहन में सलमान खान के साथ उनकी फिल्म 'तेरे नाम' का किरदार याद आता है। फिल्म में शनिर्जराश के रोल ने भूमिका को रातों–रात पहचान दिलाई और उन्होंने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। इसके बाद उन्हें कई फिल्में ऑफर हुईं। हालांकि, करियर के पीक पर उन्हें कुछ फिल्मों से रिप्लेस कर दिया गया, जिनमें 'लगे रहो मुन्ना भाई' और 'जब वी मेट' जैसी फिल्में शामिल हैं। आज भूमिका चावला के बर्थडे के खास मौके पर आइए उनकी जिंदगी को करीब से छूते हैं– भूमिका चावला का जन्म 21 अगस्त 1978 को दिल्ली में एक पंजाबी हिंदू परिवार में हुआ। उनके पिता आर्मी ऑफिसर थे। परिवार में एक बड़ा भाई और एक बड़ी बहन हैं।भूमिका ने अपने करियर की शुरुआत एड फिल्मों और म्यूजिक वीडियो से की। इसके बाद उन्होंने जी टीवी के शो 'हिप हिप हुर्रे' और 'स्टार बेस्ट सेलर्स फुर्सत में' में काम किया। फिल्मों में करियर की शुरुआत साउथ इंडस्ट्री से की भूमिका ने फिल्मों में कदम तेलुगु इंडस्ट्री से रखा था। उनकी पहली फिल्म 'युवकुडु' (2000) थी, जिसमें वह एक्टर सुमंत के साथ दिखीं। दूसरी फिल्म 'खुशी' (2001) पवन कल्याण के साथ थी। यह फिल्म हिट रही थी। इसके बाद भूमिका ने 'ओक्काडु' (2003) और 'सिंहद्री' (2003) में काम किया। इस बीच उन्होंने तमिल फिल्मों में भी एंट्री की। उनकी पहली तमिल फिल्म 'बद्री' (2001) थी, जिसमें वह विजय के साथ नजर आईं। इसके बाद उन्होंने 'रोजा कूटम' (2002) में काम किया। बॉलीवुड में एंट्री और हिट फिल्मसाउथ की फिल्मों में एक्टिंग करने के बाद भूमिका ने बॉलीवुड में एंट्री की। उनकी पहली हिंदी फिल्म 'तेरे नाम' (2003) थी, जिसमें वह सलमान खान के साथ नजर आईं। यह फिल्म उस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक रही। भूमिका को शतेरे नामश में रोल कैसे मिला था? लहरें के यूट्यूब चौनल पर दिए इंटरव्यू में भूमिका चावला ने बताया था कि उन्होंने 'तेरे नाम' के प्रोड्यूसर सुनील मनचंदा के साथ एक एड फिल्म की थी। वहीं, फिल्म के डायरेक्टर सतीश कौशिक ने भूमिका की साउथ फिल्म 'खुशी' देखी और उनकी एक्टिंग पसंद आई। इसके बाद उन्होंने भूमिका को 'तेरे नाम' में लीड रोल के लिए अप्रोच किया। इसके बाद भूमिका ने हिंदी फिल्मों 'रन' (2004), 'दिल ने जिसे अपना कहा' (2004)।

टीवी एक्ट्रेस नौशीन अली सरदार ने हाल ही में बताया कि कुछ साल पहले मशहूर मैचमेकर सीमा तापड़िया ने उनका रिश्ता कराने से मना कर दिया था। सिद्धार्थ कन्नन से बातचीत में नौशीन ने बताया, "मेरी बहन ने उनसे (सीमा) संपर्क किया क्योंकि उनका शो हिट था। शायद यह कोविड के दौरान था। तब मेरी बहन ने कहा, 'तुम्हें सही लाइफ पार्टनर ढूंढना नहीं आता, कम से कम हम कोशिश करते हैं।' मैंने हां कर दी और कहा कि अगर मुझे व्यक्ति पसंद आया तो शादी कर लूंगी।" नौशीन ने आगे बताया, " मेरी समस्या यह है कि मैं मुस्लिम पैदा हुई, लेकिन मैं इस्लाम को फॉलो नहीं करती। तो मेरे लिए सही व्यक्ति कौन होगा?" एक्ट्रेस ने कहा कि उनकी पसंद कैथोलिक, सिख या पंजाबी ग्रूम थी। नौशीन ने दावा किया कि सीमा तापड़िया ने उनसे कहा था कि हम तुम्हारे किसी को (लड़का) नहीं ढूंढ सकते क्योंकि तुम मुस्लिम हो। नौशीन ने यह भी कहा कि शो में सीमा की सोच उन्हें हमेशा अजीब लगी। उन्होंने बताया, "मैं उनका मजाक उड़ाती थी। शो में वह कहती हैं कि लड़की को हमेशा चुप रहना चाहिए और नजरें झुकी रहनी चाहिए। मुझे हंसी आती थी कि यही शख्स मुझे कह रही हैं कि वह मेरे लिए रिश्ता नहीं ढूंढ सकतीं।" बता दें कि नौशीन का जन्म ईरानी मां और पंजाबी पिता के घर हुआ था। उन्होंने अपनी पढ़ाई बांद्रा के सेंट एलॉयसियस हाई स्कूल से की थी।

बॉलीवुड से लेकर छोटे पर्दे तक पायल रोहतगी ने अपनी मेहनत के दम पर पहचान बनाई है. पायल अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं. वो किसी भी मुद्दे पर अपनी राय रखने से बिल्कुल भी नहीं कतराती हैं. पायल ने संग्राम सिंह संग शादी की है. काफी वक्त से ऐसी खबरें आ रही हैं कि दोनों के रिश्ते में दूरियां आ चुकी हैं और जल्द ही इस कपल का तलाक हो सकता है. अब हाल ही में पायल ने इस मुद्दे पर अपनी बात रखी है. दरअसल, पायल को मुंबई में स्पॉट किया गया, जहां उनसे पूछा गया कि लाइफ में क्या चल रहा है. पायल ने जवाब देते हुए कहा कि शादी को निभाने की कोशिश की जा रही है. एक्ट्रेस ने आगे कहा कि देखो निभाना कुछ नहीं होता, बस औरतों के लिए लाइफ को मुश्किल कर दिया जाता है. औरतों के लिए बने हैं कई नियम ये समाज और सोसाइटी शादी के बाद औरतों के लिए बहुत सारी नियम बनाती है. हर चीज पति से पूछना पड़ता है काम के लिए, पैसे खर्च करने के लिए, लेकिन ये मेरे डीएनए में नहीं है. पायल से कहा गया कि आप शादी से पहले इतने साल तक रिश्ते में थे तो म्यूचुअल अंडरस्टैंडिंग होगी ही. डील करने में लगता है वक्त एक्ट्रेस ने बताया कि म्यूचुअल अंडरस्टैंडिंग पर मेल ईगो भारी पड़ जाता है. एक औरत जिसके पास कई खुद के कई विचार होते हैं और वो स्वतंत्र होती है अपना काम करने की. मुझे भी वक्त लगता है, डील करने में मुश्किल होता है. पायल ने आगे कहा कि संग्राम एक अच्छे इंसान हैं और मैं भी अच्छी इंसान हूं. हमें सर्वाइव करना पड़ेगा. आप अगर शादी कर रहे हो 5 रिसेप्शन कर रहे हो, आप समाज में इतना सबकुछ कर रहे हो तो आपको निभाना पड़ता है. अपनी इन बातों से पायल ने क्लियर कर दिया है कि वो संग्राम से तलाक नहीं ले रही हैं.

प्यार के गलियारों में चर्चा में है घोस्टिंग, जानें क्या है ये और कैसे इससे करें अपना बचाव

प्यार के गलियारों में घोस्टिंग और गैसलाइटिंग शब्द आजकल बड़े ट्रेंड में चल रहे हैं। ऑनलाइन डेटिंग ऐप्स का इस्तेमाल करने वाले लोग इन दो शब्दों से भली भाँति वाकिफ होंगे। अनजान लोगों को हम पहले घोस्टिंग और गैसलाइटिंग का मतलब बता देते हैं। घोस्टिंग शब्द का इस्तेमाल उस परिस्थिति में किया जाता है जब एक व्यक्ति अपने पार्टनर को बिना कोई वार्निंग दिए या बताए उनसे सारे संपर्क तोड़ देता है। वहीं एक व्यक्ति द्वारा अपने पार्टनर को उनकी सोच, यादों, सच्चाई, ख्यालों पर सवाल करने को मजबूर कर देने की प्रक्रिया को गैसलाइटिंग कहते हैं। इन दोनों शब्दों के अलावा बात करें तो आजकल एक नया शब्द घोस्टलाइटिंग इन दिनों नया–नया चर्चा में आया है। चलिए इसके बारे में विस्तार से आपको बताते हैं–

क्या है घोस्टलाइटिंग?

घोस्टलाइटिंग, घोस्टिंग और गैसलाइटिंग को मिलाकर बना है। ये शब्द तब इस्तेमाल किया जाता है जब एक व्यक्ति अपने पार्टनर को घोस्ट कर देता है और फिर कुछ समय के बाद वापस उनकी जिंदगी में फिर से आ जाता है। आसान शब्दों में कहें तो पार्टनर को बिना बताए छोड़कर कुछ समय बाद वापस आकर उन्हें फिर से बेवकूफ बनाने की प्रक्रिया को घोस्टलाइटिंग कहते हैं। घोस्टलाइटिंग करने वाले लोग वापस अपने पार्टनर की जिंदगी में आते हैं और उन्हें अपने फैसलों के पीछे की वजह बताते हैं। ये लोग अपने पार्टनर को फिर से बेवकूफ बनाने के लिए आमतौर पर इमोशनल वजहों का सहारा लेते हैं।

घोस्टलाइटिंग से कैसे बचें?

घोस्टलाइटिंग से बचने के लिए सबसे पहले घोस्टलाइटर की पहचान करने की जरूरत है। घोस्टलाइटर वो व्यक्ति होता है जो अपने पार्टनर को बिना किसी वार्निंग के छोड़ देता है और फिर एक दिन वापस लौटने का फैसला करता है वो भी बिना माफी और स्पष्टीकरण दिए। अगर आप इस चीज पहचान कर लेते हैं तो खुद से सवाल करें कि क्या आप ऐसे व्यक्ति के साथ फिर से बातचीत शुरू करना चाहते हैं। अगर नहीं तो ये बात साफ–साफ उस व्यक्ति को बता दें। इस दौरान एक चीज जो ध्यान में रखने वाली है वो ये है कि घोस्टलाइटिंग करने वाले व्यक्ति से ईमानदार प्रतिक्रिया मिलने की संभावना कम होती है। इसलिए इसकी उम्मीद नहीं करेंगे तो आपके लिए बेहतर होगा।

मोमोज खाने के शौकीन जरूर पढ़ें... ये डिश ले सकती है जान भी

मोमोज आज भारत भर में ऐसी डिश बन चुकी है जो हर जगह उपलब्ध होने लगी है। अपने शानदार टेस्ट के कारण नेपाल के पहाड़ों से निकलकर अब भारत के अधिकतर राज्यों के शहरों की गलियों में ये डिश पहुंच चुकी है। अधिकतर जगहों पर इसने अपने पैर पसार लिए है।

शाम होने तक सड़कों पर कई जगहों पर मोमोज के स्टॉल दिखते है। मगर जितना इस डिश का क्रेज युवाओं में है ये सेहत पर उतनी ही घातक भी है। यहां तक की मोमोज की वजह से गोपालगंज में एक व्यक्ति की जान भी चली गई है, क्योंकि उसने मोमोज खाए थे। युवक की मौत को लेकर डॉक्टरों ने बताया कि युवक की मौत के पीछे कारण सिर्फ मोमोज ही थे। दरअसल युवक ने काफी अधिक मोमोज खाए थे जिस कारण उसकी मौत हो गई है।

जानकारी के मुताबिक गोपालगंज में दोस्तो में शर्त लगी थी कि युवक को 150 मोमोज खाने होंगे। शर्त को पूरा करने के लिए युवक मोमोज खाने के दौरान ही सड़क पर बेहोश होकर गिर गया। उसे लोग अस्पताल लेकर गए जहां डॉक्टरों को पता चला कि युवक के गले में मैदा और सब्जी फंस गया था और इस कारण युवक का गला चोक हो गया था। यही युवक की मौत का कारण भी बना।

गौरतलब है कि स्ट्रीट फूड के तौर पर मिलने वाले मोमोज अगर अधिक मात्रा में खाए जाएं तो ये व्यक्ति की सेहत को अधिक मात्रा में नुकसान पहुंचा सकते है। बता दें कि अगर कोई भी फूड जरुरत से अधिक मात्रा में खाया जाए तो शरीर की क्षमता पर असर कर सकता है। इससे सांस लेने में परेशानी हो सकती है। ये शरीर में ऑक्सीजन की सप्लाई को रोक सकता है जिससे व्यक्ति की जान को खतरा हो सकता है। कई मामलों में देखा जाता है कि जब कोई व्यक्ति ओवर ईटिंग करता है तो सांस लेने में काफी परेशानी होती है। अधिक खाना खाने से मल्टीपल ऑर्गन फेलियर भी होता है, जिससे मौत हो सकती है।

जानें डिश के बारे में

बता दें कि मोमोज 600 वर्ष पुरानी डिश है। आज के समय में मोमोज भले ही देश के कोने कोने में पहुंच चुका है मगर मूल रूप से ये अरुणाचल प्रदेश के मोनपा और शेरदुकपेन जनजाति के खान पान का अहम हिस्सा है। ये इलाका नेपाल और तिब्बत से बिलकुल लगा हुआ है। पारंपरिक तौर पर मोमोज को कीमा, मांस, आलू, लीक से मिलाकर तैयार करते है। हालांकि अब इसकी कई तरह की वैरायटी मार्केट में उपलब्ध है।

हो सकती है ये परेशानियां भी

रोज मोमोज खाना भी सेहत के लिए काफी नुकसानदायक होता है क्योंकि ये डायबिटीज होने का खतरा बढ़ाता है। मैदा खाने से डायबिटीज बढ़ सकती है। मोमोज का आटा बनाने में भी केमिकल का उपयोग होता है जिससे ये अधिक नुकसानदायक होती है।

पाइल्स की परेशानी

मोमोज में मैदा होने के कारण ये पाइल्स की परेशानी दे सकता है। मोमोज के साथ तीखी चटनी खाई जाती है जो सेहत के लिए अच्छी नहीं होती है। ऐसे में इसका सेवन करने से बचना चाहिए।

कब्ज की होगी दिक्कत

मोमोज खाने से कब्ज की परेशानी भी हो सकती है। इसके पीछे भी मुख्य कारण मैदा होता है, जो आंतों में चिपकता है। इसका रोज सेवन करने से बचना चाहिए।

बच्चों से लेकर बड़ों तक में तेजी से फैल रहा आई फ्लू, जानिए लक्षण और बचाव के तरीके

देश में भारी बारिश और बाढ़ के हालातों के बीच तेजी से आई फ्लू का कहर बढ़ रहा है। तमाम राज्यों के लोग बड़ी तादात में इस बीमारी की चपेट में आ गए हैं। बता दें कि आई फ्लू के खतरे को देखते हुए कई राज्यों के स्कूलों को भी बंद कर दिया गया है। इस फ्लू की चपेट में सबसे ज्यादा बच्चे आ रहे हैं। आई फ्लू के कारण सभी लोगों की चिंता बढ़ गई है। मेडिकल भाषा में आई फ्लू को कंजक्टिवाइटिस कहा जाता है। आई फ्लू से संक्रमित होने पर आंखें लाल हो जाती हैं और उनमें खुजली होने लगती है। आंखों से पानी बहने के साथ ही रोशनी से समस्या होने लगती है। वहीं कई लोगों की आंखों में सूजन भी हो जाती है। आई फ्लू के बढ़ते कहर के बीच लोगों के बीच यह बात तेजी से फैल रही है कि इस फ्लू के संक्रमित व्यक्ति की आंखों में देखने से आई फ्लू फैल सकता है। लेकिन इस बात में कितनी सच्चाई है, यह हम आपको इस आर्टिकल के जरिए बताने जा रहे हैं।

जानिए क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

आई स्पेशलिस्ट के अनुसार, आई फ्लू एक वायरल इंफेक्शन होता है। जो इस समय तेजी से फैल रहा है। संक्रमण की वजह से यह वायरस फैलता है। इस इंफेक्शन के कारण आंखों में परेशानी होने लगती है और आंखें लाल हो जाती हैं। आई फ्लू में व्यक्ति की आंखों से फ्लूड निकलना, आंखों में खुजली होना, सूजन आना, आंखे लाल होना और लाइट सेंसिटिविटी जैसी समस्याएं होने लगती हैं।

हालांकि आई स्पेशलिस्ट के अनुसार, यह वायरस आंखों के लिए खतरनाक नहीं होता है। यह वायरस 1–2 सप्ताह में अपने आप ही सही हो जाता है। आई फ्लू होने से लोगों के विजन में कोई समस्या नहीं होती है। लेकिन कई बार इस वायरस की वजह से देखने में टेंपरेरी समस्या हो सकती है। लेकिन विजन समय के साथ ही ठीक हो जाता है। आई स्पेशलिस्ट की मानें तो यह एक सेल्फ लिमिटिंग इंफेक्शन है। इस वायरस को लेकर ज्यादा घबराने की जरूरत नहीं है।

कैसे फैलता है आई फ्लू

प्राप्त जानकारी के मुताबिक संक्रमित व्यक्ति की आंखें देखने से दूसरे व्यक्ति को आई फ्लू नहीं हो सकता है। यह वायरस देखने से फैलता है, यह एक बहुत बड़ी गलतफहमी है। आमतौर पर यह वायरस आई फ्लू सर्फेस से फैलता है। अगर आई फ्लू से संक्रमित व्यक्ति कहीं पर हाथ लगाता है और उसी जगह के संपर्क में आने वाला अन्य व्यक्ति अपनी आंखों पर लगाता है। तो आई फ्लू वायरस फैल जाता है। आई फ्लू से संक्रमित व्यक्ति की बेडशीट, तकिया, तौलिया या अन्य पहनने वाले कपड़ों को छूने से आंखों का संक्रमण फैलता है। इस संक्रमण से बचने के लिए लोगों को अपने हाथों की अच्छे से सफाई करनी चाहिए साथ ही आखों को बार–बार छूने से बचना चाहिए।

ऐसे करें बचाव

आई स्पेशलिस्ट की मानें तो आई फ्लू से संक्रमित होने पर घबराने की जरूरत नहीं है। यह संक्रमण एक–दो हफ्ते में अपने आप ठीक हो जाता है। इस संक्रमण को सही करने से किसी टैबलेट या दवा की जरूरत नहीं होती है। लेकिन अगर आपको आंखों में ज्यादा इरिटेशन हो रही है तो आप डॉक्टर की सलाह पर आर्टिफिशियल टीयर और लुब्रिकेंट आई ड्रॉप का उपयोग कर सकते हैं। इस दौरान लापरवाही बिलकुल भी न बरतें और समस्या ज्यादा होने पर डॉक्टर से परामर्श जरूर करें।

सुबह की चाय पीने से नहीं बढ़ेगा वजन, अपनाएं ये उपाय

सुबह के समय अधिकतर घरों में लोग चाय पीना पसंद करते हैं। हम सभी ने सुना है कि सुबह के समय चाय का सेवन नहीं करना चाहिए। लेकिन जिन लोगों को सुबह चाय पीने की आदत होती है, वे चाहकर भी अपनी इस आदत को छोड़ नहीं पाते हैं। ऐसे में जरूरी होता है कि आप कुछ छोटे–छोटे टिप्स अपनाएं, जिससे चाय पीने के बाद भी आपको वजन बढ़ने की समस्या नहीं होगी। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही टिप्स के बारे में बता रहे हैं–

स्किम्ड दूध का करें इस्तेमाल

जब आप चाय बना रहे हैं तो उसमें किस तरह के दूध का इस्तेमाल करते हैं, इससे काफी फर्क पड़ता है। मसलन, अगर आप चाय बनाते समय उसमें फुल क्रीम दूध का इस्तेमाल करते हैं तो इससे उसका कैलोरी कंटेंट काफी बढ़ जाता है। जिससे वजन पर भी असर पड़ता है। इसलिए बेहतर होगा कि आप कैलोरी कंटेंट को बैलेंस करने के लिए आप फुल क्रीम दूध की जगह स्किम्ड दूध का इस्तेमाल करें।

चीनी की मात्रा

जब आप चाय का सेवन कर रहे हैं तो उसमें चीनी की मात्रा से काफी असर पड़ता है। मसलन, 1 चम्मच चीनी में 19 कैलोरी होती है, जबकि एक टेबलस्पून चीनी में 48 कैलोरी पाई जाती है। इसलिए, अगर आप सुबह के समय चाय पीते हैं या फिर आप दिनभर कई कप चाय पीते हैं तो ऐसे में आपको अपनी चीनी की मात्रा पर विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए। अन्यथा आपका वजन बढ़ सकता है।

ना लें अनहेल्दी स्नैक

अक्सर लोगों की यह शिकायत होती है कि चाय से उनका वजन बढ़ता है। लेकिन वास्तव में उसके पीछे की मुख्य वजह चाय के साथ लिया जाने वाला अनहेल्दी स्नैक होता है। जब भी हम चाय लेते हैं तो उसके साथ कुछ अनहेल्दी स्नैक जैसे नमकीन, बिस्कुट व रस्क आदि खाते हैं। इससे वजन तेजी से बढ़ने लगता है।

बिल्कुल खाली पेट ना लें

भले ही आपको सुबह के समय चाय पीने की आदत है, लेकिन फिर भी आपको इसे बिल्कुल खाली पेट ना लें। इससे आपको एसिडिटी व जलन की समस्या बढ़ सकती है। इसलिए, कोशिश करें कि आप हल्के भोजन या नाश्ते के बाद ही चाय का सेवन करें।

वेट लॉस से लेकर दिल को स्वस्थ रखने में फायदेमंद है कद्दू का जूस, इससे करें दिन की शुरुआत

खानपान की गलत आदतों के कारण व्यक्ति जल्दी बीमारियों की चपेट में आने लगता है। ज्यादा तला भुना खाना और जंक फूड हमारे शरीर में कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ाने का काम करता है। जिसके कारण व्यक्ति मोटापे का शिकार होने लगता है। वहीं कोलेस्ट्रॉल धमनियों में प्लाक बनाने में अहम भूमिका निभाता है। जब धमनियों में प्लाक बनने लगता है, तो इससे ब्लड सर्कुलेशन प्रभावित होता है। इस तरह से व्यक्ति को हार्ट संबंधी समस्याओं का जोखिम भी बढ़ जाता है।

लेकिन अगर आप अपनी डाइट में कद्दू का जूस शामिल करते हैं, तो कोलेस्ट्रॉल की समस्या को काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है। बता दें कि हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो कद्दू के जूस में विटामिन और मिनरल्स मौजूद होता है। यह शरीर की समस्या को खत्म करने के साथ ही कोलेस्ट्रॉल को भी कम करने में सहायक होता है। आज इस आर्टिकल में हम आपको कद्दू का जूस डाइट में शामिल के फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं और साथ ही इसके सेवन से कोलेस्ट्रॉल भी कंट्रोल में रहता है।

एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर

कद्दू के जूस में बीटा–कैरोटीन मौजूद होता है, जो इसे एंटीऑक्सीडेंट बनाता है। यह जूस फ्री रेडिकल्स से होने वाले प्रभावों को कम करने के साथ ही ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करने में सहायक होता है। ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस के कारण कोलेस्ट्रॉल बढ़ने की समस्या हो सकती है। अगर आप अपनी डाइट में कद्दू का जूस शामिल करते हैं तो इससे आपको एंटीऑक्सीडेंट प्राप्त होता है और स्वास्थ्य भी बेहतर होता है।

फाइबर की उच्च मात्रा

फाइबर कोलेस्ट्रॉल के साथ जुड़कर उसे शरीर से बाहर निकालने में मदद करता है। कद्दू के जूस के सेवन से शरीर में कोलेस्ट्रॉल कम होने लगता है। बता दें कि इस जूस में डाइट्री फाइबर भी पाया जाता है, जो आंतों में कोलेस्ट्रॉल के अवशोषण को धीमा करने में सहायक होता है। इससे ब्लड में खराब कोलेस्ट्रॉल का लेवल कम होने लगता है।

दिल के स्वास्थ्य के लिए जरूरी

दिल संबंधी रोग होने से व्यक्ति की जान पर खतरा बन जाता है। जिसमें हाई कोलेस्ट्रॉल मुख्य कारक हो सकता है। वहीं कद्दू का जूस दिल के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है। क्योंकि कद्दू के जूस में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और फाइबर एलडीएल कोलेस्ट्रॉल और सूजन को कम करने में मदद करता है। जिससे आपका दिल स्वस्थ रहता है।

मोटापा करें कंट्रोल

कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कंट्रोल करने के लिए मोटापे को कंट्रोल करना बहुत जरूरी होता है। वहीं कद्दू का जूस वजन घटाने में भी सहायक होता है। इस जूस में कैलोरी की मात्रा काफी कम पाई जाती है। वहीं फाइबर की मात्रा अधिक होने के चलते आपको भूख कम लगती है और इससे वजन कंट्रोल में आने लगता है। जब आपका वजन सही होता है, तो शरीर में कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के चांसेज भी कम होते हैं।

पोषक तत्वों से भरपूर कद्दू का जूस

बता दें कद्दू का जूस पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इस जूस में विटामिन ।, [illegible] और [illegible] पाया जाता है। यह बेहतरीन एंटीऑक्सीडेंट होता है। इसके साथ ही कद्दू के जूस में पोटेशियम, मैग्नीशियम जैसे मिनरल्स पाए जाते हैं, जो आपकी ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखते हैं। जिससे व्यक्ति को अन्य बीमारियों का जोखिम भी कम होता है।

ऐसे बनाएं कद्दू का जूस

कद्दू का जूस बनाने के लिए सबसे पहले 300 से 400 ग्राम कद्दू ले लें।

कद्दू को काटकर मिक्सी में पीस लें और जूस निकाल लें।

इसके बाद जूस को छानकर गिलास में निकाल लें।

अब इसमें एक चम्मच शहद मिलाकर खाली पेट सेवन करें।

संक्षिप्त

3–4 सितंबर को दिल्ली में होगी जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक, लिए जा सकते हैं बड़े निर्णय

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की 56वीं बैठक 3–4 सितंबर को होगी, शुक्रवार को एक आधिकारिक ज्ञापन में कहा गया। भारत सरकार के सचिव और जीएसटी परिषद के पदेन सचिव अरविंद श्रीवास्तव द्वारा जारी एक आधिकारिक ज्ञापन में कहा गया है कि अधोहस्ताक्षरी को उपरोक्त विषय का संदर्भ देने और यह सूचित करने का निर्देश दिया जाता है कि जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक 3 और 4 सितंबर, 2025 को होगी। जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक और अधिकारियों की बैठक के लिए बैठक स्थल और एजेंडा मदों का विवरण समय पर सूचित किया जाएगा। जीएसटी परिषद की बैठक की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अपने स्वतंत्रता दिवस भाषण के दौरान की गई घोषणा के कुछ दिनों बाद हुई है जिसमें उन्होंने कहा था कि लोगों को दिवाली पर एक बहुत बड़ा उपहार मिलने वाला है और सरकार ने जीएसटी में एक बड़ा सुधार शुरू किया है। जीएसटी परिषद एक संवैधानिक निकाय है जो भारत में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के कार्यान्वयन से संबंधित मुद्दों पर सिफारिशें करने के लिए ज़िम्मेदार है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार ने तत्कालीन 12 प्रतिशत और 28 प्रतिशत जीएसटी दरों को समाप्त करने और केवल 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत जीएसटी दरें बनाए रखने का प्रस्ताव रखा था। सरकारी सूत्रों ने बताया कि इस पहल के तहत, 12 प्रतिशत स्लैब में से 99 प्रतिशत वस्तुओं को 5 प्रतिशत स्लैब में स्थानांतरित करने का प्रस्ताव था, और 28 प्रतिशत स्लैब की 90 प्रतिशत वस्तुओं को 18 प्रतिशत स्लैब में स्थानांतरित करने का प्रस्ताव था। उन्होंने कहा कि 28 प्रतिशत की दर वाले उपभोक्ता वस्तुओं को 18 प्रतिशत की दर वाले स्लैब में स्थानांतरित करने का प्रस्ताव है। उन्होंने यह भी कहा कि तंबाकू और पान मसाला जैसी हानिकारक वस्तुओं के लिए 40 प्रतिशत की नई दर प्रस्तावित है। यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुक्रवार को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिए गए अपने भाषण में की गई घोषणा के अनुरूप है, जिसमें उन्होंने कहा था कि दिवाली पर लोगों को एक बहुत बड़ा तोहफा मिलने वाला है और सरकार ने ष्जीएसटी में एक बड़ा सुधारष शुरू किया है।

अनिल अंबानी की कम नहीं हो रही मुश्किलें, ईडी के बाद अब सीबीआई ने मारा छापा

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने शनिवार को रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरकॉम) और इसके प्रमोटर निदेशक अनिल अंबानी से जुड़े परिसरों पर कथित बैंक धोखाधड़ी के सिलसिले में छापेमारी की, जिससे भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को 2,000 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। मुंबई में कई जगहों पर तलाशी ली गई। एसबीआई ने 13 जून को धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन पर भारतीय रिज़र्व बैंक के मास्टर निर्देशों और धोखाधड़ी के वर्गीकरण, रिपोर्टिंग और प्रबंधन पर बैंक के बोर्ड द्वारा अनुमोदित नीति के अनुसार आरकॉम और अंबानी को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत किया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा 66 वर्षीय व्यवसायी से उनके समूह की कंपनियों के खिलाफ कथित तौर पर करोड़ों रुपये के कई बैंक ऋण धोखाधड़ी मामलों से जुड़े धन शोधन मामले में पूछताछ के कुछ सप्ताह बाद यह तलाशी ली गई।

भारत ने 24 सितंबर तक पाकिस्तानी विमानों के लिए हवाई क्षेत्र पर लगी पाबंदी बढ़ाई, NOTAM जारी

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तानी विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद करने की अवधि को 24 सितंबर तक बढ़ा दिया है। इसके बाद पाकिस्तान ने भी भारतीय विमानों के लिए हवाई क्षेत्र को 24 सितंबर तक बंद रखने का फैसला लिया है। दोनों देशों ने हवाई क्षेत्र को बंद रखने की अवधि बढ़ाने के लिए अलग–अलग नोटिस टू एयरमेन (छव्ज।डे) जारी किए हैं।

पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ भारत की कार्रवाई

22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने 30 अप्रैल से पाकिस्तानी एयरलाइन्स के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है। यह कदम पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ भारत सरकार द्वारा उठाए गए कई उपायों का हिस्सा है। शुरुआत में हवाई क्षेत्र को 24 मई तक के बंद किया गया था, जिसे हर महीने बढ़ाया जा रहा है। मौजूदा पाबंदियां 24 अगस्त तक लागू थीं, जिन्हें अब 24 सितंबर तक बढ़ा दिया गया है।

भारत और पाकिस्तान का नोटिस टू एयरमेन

नोटिस टू एयरमेन (NOTAM) के अनुसार, यह प्रतिबंध

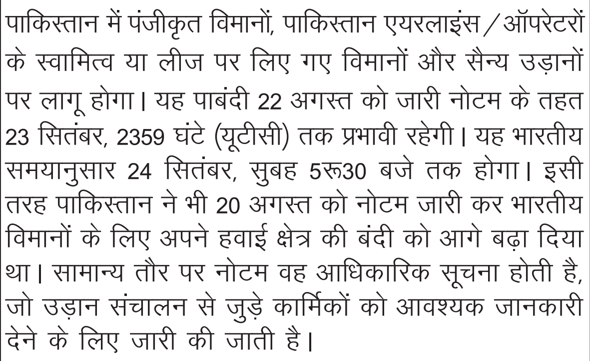

पाकिस्तान में पंजीकृत विमानों, पाकिस्तान एयरलाइंस/ऑपरेटरों के स्वामित्व या लीज पर लिए गए विमानों और सैन्य उड़ानों पर लागू होगा। यह पाबंदी 22 अगस्त को जारी नोटम के तहत 23 सितंबर, 2359 घंटे (यूटीसी) तक प्रभावी रहेगी। यह भारतीय समयानुसार 24 सितंबर, सुबह 5रू30 बजे तक होगा। इसी तरह पाकिस्तान ने भी 20 अगस्त को नोटम जारी कर भारतीय विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र की बंदी को आगे बढ़ा दिया था। सामान्य तौर पर नोटम वह आधिकारिक सूचना होती है, जो उड़ान संचालन से जुड़े कार्मिकों को आवश्यक जानकारी देने के लिए जारी की जाती है।

रोहित और कोहली के भविष्य पर बीसीसीआई उपाध्यक्ष ने तोड़ी चुप्पी, विदाई की खबरों पर दी ये प्रतिक्रिया

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने रोहित शर्मा और विराट कोहली के भविष्य पर चुप्पी तोड़ी है। राजीव ने इन दोनों दिग्गजों के संन्यास की अटकलों को खारिज किया है और कहा है कि ये दोनों अभी भी वनडे में खेल रहे हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट प्रारूप से संन्यास के बाद रोहित और कोहली के वनडे भविष्य को लेकर भी कई तरह की अटकलें चल रही हैं। ऐसी खबरें भी चल रही हैं कि अक्तूबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद यह दोनों बल्लेबाज वनडे प्रारूप को लेकर भी बड़ा फैसला ले सकते हैं।

रोहित–कोहली ने शुरू की ट्रेनिंग

रोहित और कोहली ने वनडे टीम में वापसी से पहले ट्रेनिंग शुरू कर दी है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि बीसीसीआई रोहित और कोहली के वनडे भविष्य को लेकर जल्दबाजी में नहीं है। अब इस मामले को लेकर राजीव शुक्ला का बयान सामने आया है। दरअसल, एक कार्यक्रम के दौरान एंकर ने बीसीसीआई उपाध्यक्ष से पूछा कि जब रोहित–कोहली संन्यास का फैसला लेंगे तो क्या सचिन तेंदुलकर की तरह उन्हें भी विदाई दी जाएगी? इस पर राजीव शुक्ला ने सवाल खड़े किए और कहा कि लोग क्यों इन दोनों के बारे में चिंता कर रहे हैं, जबकि वे अभी भी वनडे में खेल रहे हैं।

शुक्ला बोले– बीसीसीआई किसी खिलाड़ी को संन्यास लेने नहीं कहता

शुक्ला ने कहा, श्उन्होंने कब संन्यास लिया? रोहित शर्मा और विराट कोहली दोनों अभी वनडे खेलेंगे, तो अगर खेल ही रहे हैं तो अभी विदाई की बात क्यों? आप लोग अभी से चिंता क्यों कर रहे हैं?श शुक्ला ने यह भी कहा कि बीसीसीआई कभी किसी खिलाड़ी को संन्यास लेने के लिए नहीं कहता और यह

फैसला उन्हें ही करना है। उन्होंने कहा, हमारी नीति बिल्कुल साफ है, बीसीसीआई किसी भी खिलाड़ी को संन्यास लेने के लिए नहीं कहता। उसे अपना फैसला खुद लेना होगा। उसे खुद ही यह फैसला लेना होगा।

बीसीसीआई उपाध्यक्ष ने बताया कि कोहली अभी भी सबसे फिट खिलाड़ियों में से एक हैं और रोहित एक बेहतरीन वनडे खिलाड़ी बने हुए हैं। शुक्ला ने प्रशंसकों से कहा कि जब इस स्टार जोड़ी की बात हो तो इस समय विदाई के बारे में न सोचें। उन्होंने कहा, जब वो पल आएगा, तो हम आपको बताएंगे कि उसे कैसे पार करना है। आप लोग तो अभी से विदाई की बात कर रहे हैं। कोहली बिलकुल फिट हैं, वो आगे बढ़ रहे हैं। रोहित शर्मा बहुत अच्छा खेल रहे हैं और आप लोग अभी से विदाई की चिंता में हैं।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर नजर आ सकते हैं रोहित–कोहली

रोहित और कोहली ने भारत के लिए आखिरी मैच इस साल चौंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में खेला था। यह दोनों स्टार बल्लेबाज अब 19 से 25 अक्तूबर तक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज में खेलते नजर आएंगे।

एशिया कप के लिए टीम में श्रेयस के नहीं होने पर टेलर को नहीं हुआ आश्चर्य, बोले– भारत के पास कई विकल्प

नई दिल्ली। एशिया कप के लिए भारतीय टीम घोषित होने के बाद सबसे ज्यादा चर्चा इस बात को लेकर हुई है कि अनुभवी बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को जगह नहीं दी गई है। कई पूर्व खिलाड़ियों ने जहां इस पर हैरानी जताई है तो वहीं, न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज रॉस टेलर को इस फैसले से आश्चर्य नहीं हुआ है। टेलर का कहना है कि श्रेयस को बाहर रखना यह दर्शाता है कि भारत के पास विकल्प की कोई कमी नहीं है।

स्टैंडबाय खिलाड़ी के तौर पर भी नहीं चुना गया

एशिया कप का आयोजन नौ सितंबर से यूएई में होना है और इसके लिए हाल ही में सूर्यकुमार यादव की अगुआई में 15 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित की गई थी। इस टीम का उपकप्तान शुभमन गिल को बनाया गया था, जबकि श्रेयस को जगह नहीं मिली थी। श्रेयस को एशिया कप के लिए चुनी गई 15 सदस्यीय टीम के अलावा पांच स्टैंडबाय खिलाड़ियों की सूची में भी शामिल नहीं किया गया है। श्रेयस को टीम में शामिल नहीं किए जाने पर मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने भी बयान दिया था। उनका कहना था कि चूंकि उन्हें 15 खिलाड़ी ही चुनने थे, इसलिए श्रेयस को जगह नहीं मिल सकी। अब इसे लेकर टेलर ने भी अपनी राय रखी है।

टेलर ने गिल को सराहा

टेलर ने कहा, श्मैंने अभी तक टीम नहीं देखी है, इसलिए कुछ कह नहीं सकता। जब आप इस तरह के बेहतरीन खिलाड़ी को बाहर रख सकते हैं, तो आपको अपनी टीम में विकल्पों को लेकर काफी सहज होना पड़ेगा।श टेलर ने भारत के नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की तारीफ की जिनके नेतृत्व में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की एंडरसन–तेंदुलकर ट्रॉफी टेस्ट सीरीज को भारतीय टीम ने 2–2 से बराबर किया। उन्होंने कहा, इंग्लैंड के खिलाफ यह एक शानदार सीरीज थी। आप जब भी टेस्ट क्रिकेट को विदेशी परिस्थितियों में खेलते हैं तो अपको दिलेरी से परिस्थितियों का सामना करना होता है। गिल ने शानदार खेल दिखाया और जवाबदेही के साथ नेतृत्व किया। यह शानदार सीरीज थी।

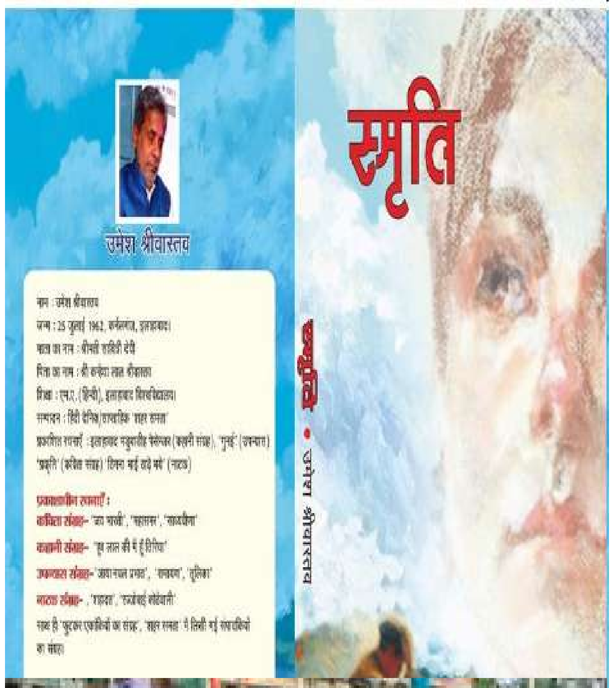

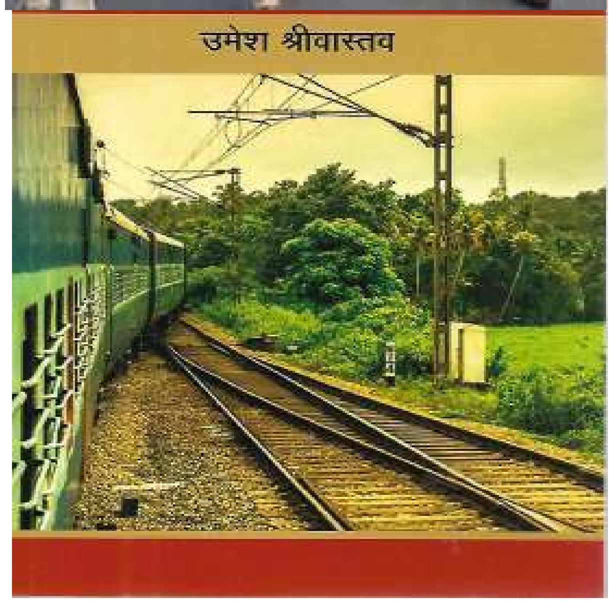

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

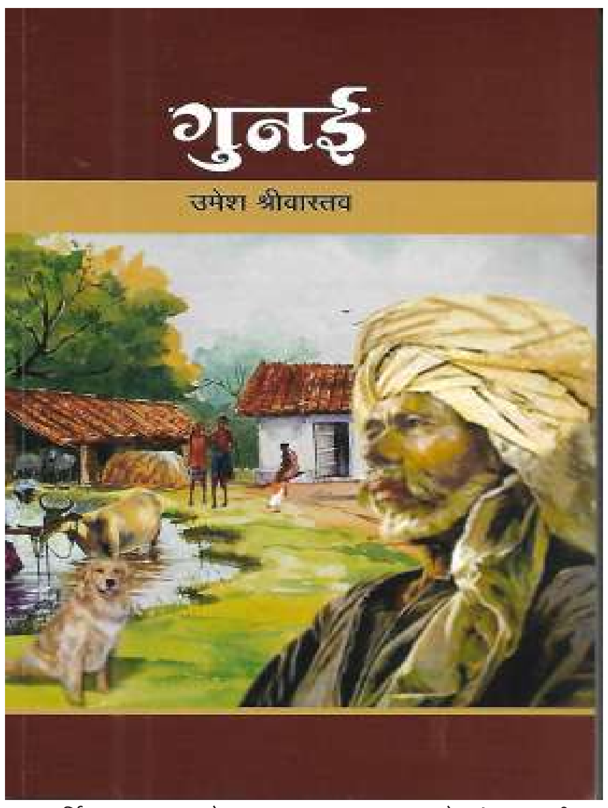

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

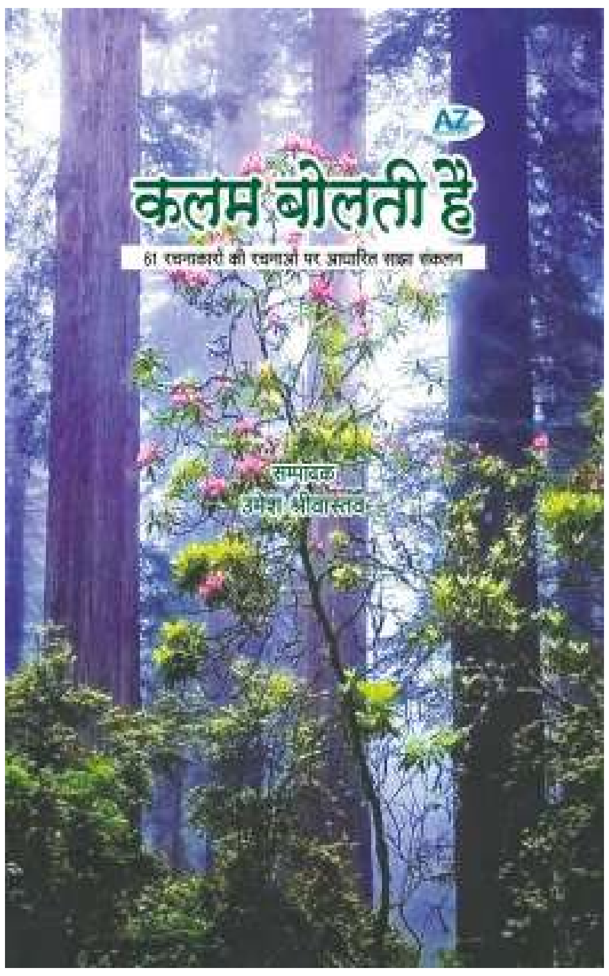

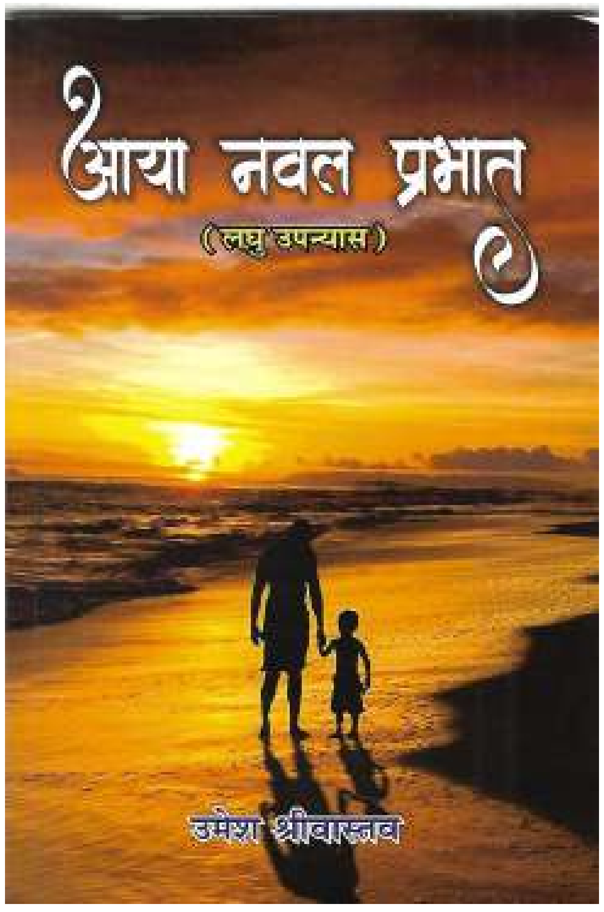

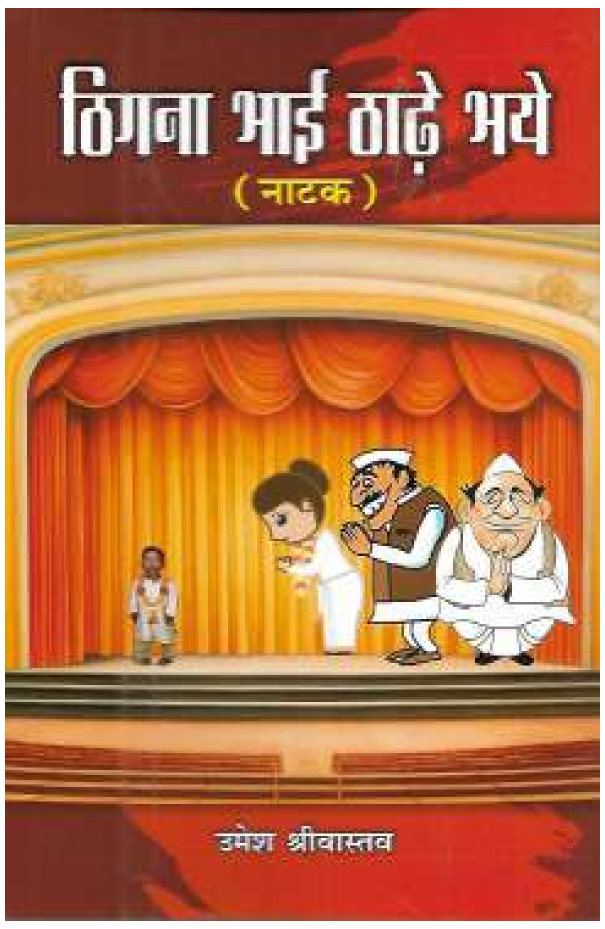

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त समाचार

पश्चिमी न्यूयॉर्क में अंतरराज्यीय राजमार्ग पर बस पलटने से पांच लोगों की मौत

नियाग्रा फॉल्स से न्यूयॉर्क सिटी लौट रही एक बस के अंतरराज्यीय राजमार्ग पर पलटने से उसमें सवार पांच यात्रियों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बस में कई भारतीय नागरिकों समेत कुल 54 लोग सवार थे। प्रांतीय पुलिस के प्रमुख आंद्रे रे ने शुक्रवार शाम एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि यह हादसा दोपहर लगभग साढ़े 12 बजे न्यूयॉर्क के पेमब्रोक इलाके में अंतरराज्यीय राजमार्ग–90 पर हुआ। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच से ऐसा प्रतीत होता है कि चालक का ध्यान भटक गया, जिससे उसने बस पर से नियंत्रण खो दिया और बस पलट गई। हालांकि, रे ने यह नहीं बताया कि चालक का ध्यान भटकने की वजह क्या थी। उन्होंने कहा कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। रे ने बताया कि बस में सवार यात्रियों की उम्र एक वर्ष से 74 वर्ष के बीच थी। हादसे के दौरान कई लोग बस से बाहर गिर गए। पांच वयस्क यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि कई यात्री बस के अंदर फंस गए, जिन्हें बचा लिया गया। कई घायलों को अस्पताल लेजाया गया। रे ने बताया कि ऐसा नहीं लगता कि अन्य किसी व्यक्ति को जानलेवा चोटें आई हैं।

पूवह्न नेपाल में भूकंप के हल्के झटके, कोई हताहत नहीं

पूर्वी नेपाल में 4.4 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार शुक्रवार रात 11 बजकर 15 मिनट पर संखुवासभा जिले में 4.4 तीव्रता का भूकंप आया, जिसका केंद्र मघांग क्षेत्र में था। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप के झटके पूर्वी नेपाल के कई जिलों में भी महसूस किए गए हालांकि इसमें किसी के हताहत होने या नुकसान की फिलहाल कोई सूचना नहीं है। नेपाल उच्च भूकंपीय जोखिम वाले क्षेत्र में स्थित है जिसके कारण यहां अक्सर भूकंप आते हैं। अप्रैल 2015 में 7.8 तीव्रता के विनाशकारी भूकंप में लगभग 9,000 लोग मारे गए थे और पांच लाख से अधिक घर क्षतिग्रस्त हो गए थे।

ट्रंप की कार्रवाई के चलते डीसी की सड़कों पर नेशनल गार्ड के सदस्यों को जल्द हथियार दिए जाएंगे : सेना

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने आदेश दिया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कानून–व्यवस्था को सख्ती से लागू करने के अभियान के तहत वॉशिंगटन की सड़कों पर तैनात नेशनल गार्ड के सैनिकों को अब हथियार दिए जाएंगे। यह जानकारी शुक्रवार को अमेरिकी रक्षा विभाग के मुख्यालय 'पेंटागन' ने दी। रक्षा विभाग ने इस नए कदम या इसकी आवश्यकता के बारे में तुरंत कोई अन्य विवरण नहीं दिया। यह कदम राष्ट्रीय राजधानी में पुलिस व्यवस्था में ट्रंप के हस्तक्षेप को और बढ़ाता है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब शहर में लगभग 2,000 नेशनल गार्ड के सदस्य तैनात हैं और इस सप्ताह कई रिपब्लिकन नेतृत्व वाले राज्यों से सैकड़ों सैनिक यहां आने वाले हैं। पेंटागन और सेना ने पिछले सप्ताह कहा था कि सैनिक अपने पास हथियार नहीं रखेंगे। इस घटनाक्रम से परिचित एक व्यक्ति ने इस सप्ताह के शुरू में नाम का खुलासा नहीं करने की शर्त पर बताया था कि नेशनल गार्ड को हथियारबंद करने के इरादे के बारे में शहर को सूचित कर दिया गया था।

चीन में निर्माणाधीन रेलवे पुल ढहा, कम से कम 12 श्रमिकों की मौत; चार अन्य लापता

बीजिंग। चीन में एक प्रमुख नदी पर निर्माणाधीन रेलवे पुल के ढहने से कम से कम 12 श्रमिकों की मौत हो गई। हादसे में चार अन्य लापता बताए जा रहे हैं। सरकारी शिन्हुआ समाचार एजेंसी की हवा से ली गई तस्वीरों में पुल का एक बड़ा हिस्सा गायब दिखाई दे रहा है। पुल के डेक का एक मुड़ा हुआ हिस्सा नीचे नदी में लटक रहा है। शिन्हुआ के मुताबिक, शुक्रवार तड़के लगभग 3 बजे उत्तर–पश्चिम चीन के किंघई प्रांत में पुल पर 16 श्रमिक काम कर रहे थे, जब एक अभियान के दौरान एक स्टील केबल टूट गई। लापता लोगों की तलाश में नाव, एक हेलीकॉप्टर और रोबोट का इस्तेमाल किया जा रहा है। अंग्रेजी भाषा के अखबार के अनुसार, पुल 1.6 किलोमीटर लंबा है। इसका डेक नीचे नदी की सतह से 55 मीटर ऊपर है।

सीमा पर उत्तर कोरियाई सैनिकों पर गोलीबारी, दक्षिण कोरिया पर लगा तनाव बढ़ाने की कोशिश करने का आरोप

सियोल। उत्तर और दक्षिण कोरिया की सीमा पर उत्तर कोरियाई सैनिकों पर गोलीबारी हुई। उत्तर कोरिया का आरोप है कि जब हमारे सैनिक सीमा पर बैरियर लगा रहे थे तो दक्षिण कोरिया के सैनिकों ने गोलियां चलाईं। उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया पर तनाव बढ़ाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उत्तर कोरियाई पीपुल्स आर्मी के जनरल स्टाफ के उप प्रमुख को जोंग चोल ने कहा कि गोलीबारी दक्षिण कोरिया–अमेरिका के ग्रीष्मकालीन सैन्य अभ्यास के साथ हुई है। उत्तर कोरिया की आर्मी के जनरल स्टाफ के उप प्रमुख को ने कहा कि उत्तर कोरियाई सैनिक कोरियाई देशों के बीच क्षेत्र को पूरी तरह से अलग करने के लिए दक्षिणी सीमा को स्थायी रूप से अवरुद्ध कर रहे हैं। इस परियोजना के तहत सीमा पर काम चल रहा है। तभी दक्षिण कोरिया ने एक ऑडियो चेतावनी और चेतावनी गोलीबारी के साथ जवाब दिया। को ने कहा कि उत्तर कोरिया ने आकस्मिक झड़पों को रोकने के लिए 25 जून और 18 जुलाई को सीमा पर कार्य करने की अपनी योजना के बारे में दक्षिण में अमेरिकी सेना को सूचित कर दिया है। दक्षिणी सीमा प्रबंधन और सुरक्षा के लिए जिम्मेदार कमांडिंग अधिकारी के रूप में मैं मांग करता हूं कि दक्षिण कोरिया इस खतरनाक उकसावे को तुरंत रोके।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
. 919450482227

पाकिस्तान में कारखानों से ज्यादा हैं मस्जिदें और मदरसे, यही बात भारत के लिए बड़ा खतरा है

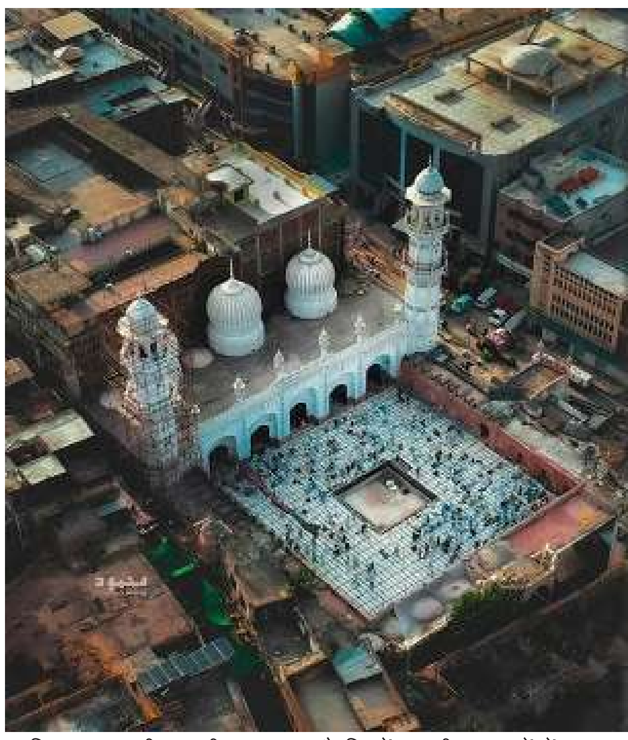

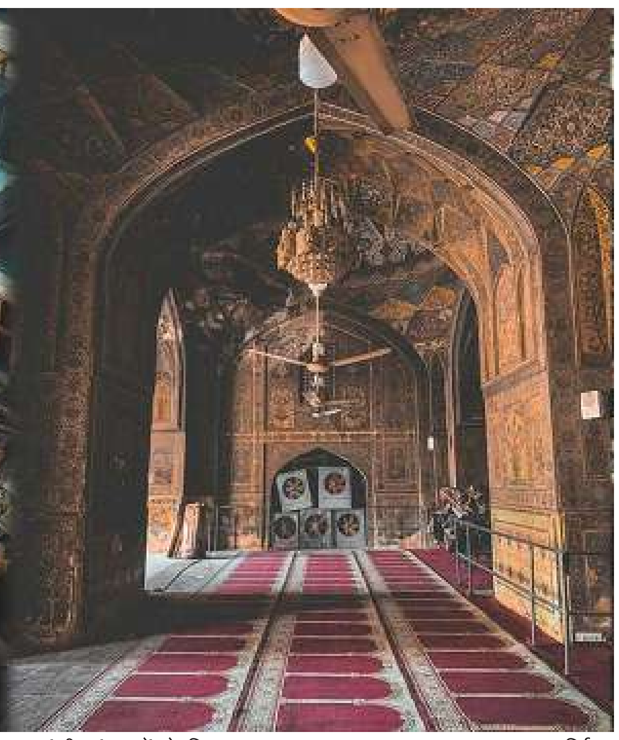

पाकिस्तान की हालिया आर्थिक जनगणना रिपोर्ट ने एक बेहद दिलचस्प और चिंताजनक तस्वीर उजागर की है। आँकड़े बताते हैं कि पाकिस्तान में कारखानों से कहीं अधिक मस्जिदें और मदरसे मौजूद हैं। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान में केवल 23,000 कारखाने हैं, जबकि मस्जिदों की संख्या 6.04 लाख और मदरसों की संख्या 36,000 से अधिक है। यह आँकड़ा सिर्फ धार्मिक प्राथमिकताओं की झलक नहीं देता, बल्कि यह भी बताता है कि पाकिस्तान का सामाजिक ढाँचा किस दिशा में झुक गया है। वहीं दूसरी खबर, पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन जैश–ए–मोहम्मद के धनसंग्रह अभियान की है, जो मस्जिदों और मरकज के निर्माण की आड़ में अरबों रुपये इकट्ठा कर रहा है। ये दोनों घटनाएँ मिलकर यह स्पष्ट करती हैं कि पाकिस्तान का धार्मिक संस्थानों पर अत्यधिक झुकाव और आतंकवाद का तंत्र आपस में किस तरह गुँथे हुए हैं। रिपोर्ट बताती है कि पाकिस्तान में शिक्षा संस्थानों की भी अच्छी–खासी संख्या है। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान में 2.42 लाख स्कूल, 11,568 कॉलेज और 214 विश्वविद्यालय हैं। लेकिन इनकी तुलना मस्जिदों और मदरसों से की जाए तो साफ है कि धार्मिक संस्थानों की संख्या कहीं ज्यादा है। इसके अलावा, उद्योग और उत्पादन की स्थिति बेहद कमजोर है। रिपोर्ट के मुताबिक केवल 7,000 से थोड़ा अधिक इकाइयाँ ही ऐसी हैं जहाँ 250 से अधिक लोग काम करते हैं। इसका अर्थ है कि पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था छोटे कारोबारों और सेवा क्षेत्र पर टिकी है, जबकि उत्पादन क्षेत्र, जो दीर्घकालिक विकास और निर्यात का आधार होता है, वह पिछड़ा हुआ है। यह असंतुलन पाकिस्तान की वित्तीय कमजोरी को समझने में मदद करता है। देखा जाये तो उद्योग और विनिर्माण में निवेश की कमी के कारण ही आज पाकिस्तान प्डथ् से कर्ज की किस्तों के लिए जूझ रहा है। वहीं, दूसरी खबर इस तस्वीर को और गहरा करती है। जैश–ए–मोहम्मद ने भारत के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हुए भारी नुकसान के बाद 313 नए मरकज और मस्जिदों के निर्माण के नाम पर 3.91 अरब रुपये जुटाने का अभियान शुरू किया है। दिलचस्प यह है कि इसके लिए संगठन ने डिजिटल वॉलेट (जैसे ईजीपैसा, सदापे) और सोशल मीडिया अपीलों का सहारा लिया है। यानी एक तरफ पाकिस्तान की जमीन पर मस्जिदों का जाल फैला हुआ है और दूसरी तरफ इन्हीं मस्जिदों की आड़ में आतंकवादी ढाँचे का पुनर्निर्माण हो रहा है। हम आपको बता दें कि पाकिस्तान सरकार और सेना पर लंबे समय से यह आरोप लगता रहा है कि वह आतंकवादी संगठनों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष समर्थन देते हैं। लेकिन इस बार तो स्थिति और स्पष्ट है क्योंकि सरकार खुद उन इमारतों के पुनर्निर्माण के लिए धन मुहैया कराने को तैयार है जिन्हें भारतीय हमलों में नष्ट किया गया था। जबकि आम जनता महँगाई और बेरोजगारी से जूझ रही है। देखा जाये तो पाकिस्तान की प्राथमिकताएँ शिक्षा, स्वास्थ्य और उद्योग न होकर धार्मिक प्रतिष्ठान और आतंकवादी इन्फ्रास्ट्रक्चर बन गए हैं। इन दोनों खबरों से भारत के लिए दो बड़े संकेत निकलते हैं। पहला यह है कि पाकिस्तान की सामाजिक संरचना में मस्जिदें और मदरसे सिर्फ धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि आतंकी संगठनों के लिए जनबल और वित्त जुटाने का तंत्र भी हैं। दूसरा संदेश यह है कि जब तक पाकिस्तान अपनी आर्थिक प्राथमिकताओं को उद्योग और रोजगार की ओर नहीं मोड़ेगा, तब तक धार्मिक उन्माद और आतंकवाद ही उसकी अर्थव्यवस्था और राजनीति पर हावी रहेंगे। बहरहाल, पाकिस्तान की आर्थिक जनगणना और जैश–ए–मोहम्मद का फंडरेजिंग अभियान मिलकर इस बात को उजागर करते हैं कि वहाँ की राज्य व्यवस्था, धार्मिक कट्टरवाद और आतंकवाद का गठजोड़ किस तरह देश के भविष्य को बर्बाद कर रहा है। कारखानों से ज्यादा मस्जिदें और मदरसे होना सिर्फ धार्मिक झुकाव का आँकड़ा नहीं है, बल्कि यह उस मानसिकता का प्रमाण है जिसमें विकास और रोजगार पीछे छूट गए हैं और आतंकवाद पोषित होता रहा है। यही पाकिस्तान की सबसे बड़ी त्रासदी है और भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा है।

मस्क ने जिसे सांप बताया, उसे भारत भेज ट्रंप मोदी सरकार को देना चाह रहे ये संदेश

अमेरिकी राजनीति से जुड़ी बड़ी खबर ये है कि डोनाल्ड ट्रंप ने अपने भरोसेमंद सहयोगी और व्हाइट हाउस के डायरेक्टर ऑफ प्रेसिडेंशियल पर्सनल सर्गियो गोर को भारत का नया राजदूत नामित किया है। अब ये नामाकंन अमेरिकी सीनेट की मंजूरी का इंतजार कर रहा है। अगर गोर को मंजूरी मिल जाती है तो वो न सिर्फ भारत में अमेरिका के राजदूत बनेंगे। बल्कि उन्हें स्पेशल एनवॉय फॉर साउथ एंड सेंट्रल एशियन अफेयर्स की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी दी जाएगी। जिसके तहत पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे अहम देश आते हैं, जहां अभी तक अमेरिका के स्थायी राजदूत नियुक्त नहीं हुए हैं। कार्यभार संभालने के बाद 39 साल की उम्र में वो अब तक के भारत में अमेरिका के सबसे युवा राजदूत बन जाएंगे। गोर की नियुक्ति मौजूदा राजदूत एरिक गार्सेटी की जगह होगी। जिन्हें डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में तैनात किया गया था। बाइडेन के सत्ता से हटने के बाद गार्सेटी अपने गृह

राज्य कैलिफोर्निया लौट चुके हैं। दिलचस्प बात ये है कि ट्रंप जहां सर्गियो गोर की जमकर तारीफ करते हैं। वहीं अमेरिकी राजनीति में उन्हें लेकर कई विवाद सामने आते रहे हैं। हाल ही में एलन मस्क ने उन पर आरोप लगाया कि उन्होंने नासा से जुड़े मामलों में गलत तरीके से दखल दिया और अपने जन्मस्थान को लेकर झूठ बोला। मस्क ने उन्हें खुलकर सांप तक कहा। इसके अलावा ये विवाद भी उठा कि उन्होंने लंबे समय तक खुद को माल्टा में जन्मा बताया जबकि बाद में सामने आया कि वो उज्बेकिस्तान में पैदा हुए थे।

भारत को लेकर कम ज्ञान, फिर भी ट्रंप ने सौंपी कमान

पॉलिटिको की एक रिपोर्ट के अनुसार, गोर की नियुक्ति व्हाइट हाउस के राष्ट्रपति कार्मिक कार्यालय के पुनर्गठन या टैरिफ को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव के बीच भारत के साथ संबंधों को बेहतर बनाने के लिए नहीं है, बल्कि मोदी सरकार को यह संदेश देने के लिए है कि बातचीत गंभीर होनी चाहिए। पॉलिटिको ने इस मामले से वाकिफ एक व्यक्ति के हवाले से कहा कि राष्ट्रपति अपने बेहद करीबी एक दूत को भेजकर मोदी सरकार को एक सशक्त संकेत दे रहे हैं। सर्जियो एक स्पष्ट संकेत हैं कि बातचीत गंभीर होनी चाहिए। ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान उनके पूर्व वरिष्ठ सलाहकार स्टीव बैनन ने स्वीकार किया है कि गोर को भारतीय नीतिगत मुद्दों की कोई जानकारी नहीं है, लेकिन उनका मानना घ्है कि गोर एक श्तेज़ समझश वाले व्यक्ति हैं, जिन पर राष्ट्रपति बहुत भरोसा करते हैं। बैनन ने कहा, यदि मैं भारत में ख्प्रधानमंत्री नरेन्द्र, मोदी हूं और मैं यह बात ऐसे व्यक्ति के रूप में कह रहा हूं जो इस रिश्ते का समर्थक है – तो मैं इससे बेहतर विकल्प के बारे में नहीं सोच सकता।

मागा में निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

गोर का जन्म नवंबर 1986 में ताशकंद, उज़्बेकिस्तान में हुआ था, जब वह सोवियत समाजवादी गणराज्य संघ (USSR) का हिस्सा था। उनका परिवार 1999 में अमेरिका आ गया था। उन्होंने 2020 में पहले मेक अमेरिका ग्रेट अगेन (मागा) कैंपेन के दौरान ट्रम्प के साथ काम करना शुरू किया। 2024 में ट्रम्प के पदभार ग्रहण करने के बाद, उन्हें व्हाइट हाउस के राष्ट्रपति कार्मिक कार्यालय का निदेशक नियुक्त किया गया।

ताइवान में जनमत संग्रह चुनाव, विपक्षी सांसदों की बर्खास्तगी और परमाणु ऊर्जा के मुद्दे पर हो रहा मतदान

ताइपे। ताइवान में शनिवार को रिकॉल वोटिंग (जनमत संग्रह चुनाव) हो रही है। यह मतदान सात विपक्षी सांसदों की विधायिका से बर्खास्तगी और परमाणु ऊर्जा की वापसी पर फैसला लेने के लिए हो रहा है। ताइवान में आखिरी चालू परमाणु रिएक्टर भी पांच महीने पहले बंद हो गया था। हालांकि अब फिर से परमाणु रिएक्टर को शुरू करने पर विचार किया जा रहा है। एक महीने में दूसरी बार हो रही ये रिकॉल वोटिंग सत्ताधारी पार्टी डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी के लिए सत्ता पर नियंत्रण पाने का भी मौका है, क्योंकि 2024 के चुनाव में डीपीपी ने बहुमत खो दिया था। हालांकि इसकी संभावना कम ही है क्योंकि जुलाई में हुए पहले रिकॉल मतदान में विपक्षी नेशनलिस्ट पार्टी खुद को बचाने में कामयाब रही थी। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी ने साल 2024 में राष्ट्रपति पद जीता, लेकिन 113 सीटों वाली विधायिका में किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला। नेशनलिस्ट, जिसे कुओमिन्तांग या केएमटी के नाम से भी जाना जाता है, ने 52 सीटें जीतीं, जो डीपीपी से एक ज्यादा है। नेशनलिस्ट पार्टी ने एक तीसरी पार्टी, ताइवान पीपुल्स पार्टी के साथ मिलकर परमाणु ऊर्जा संबंधी एक विधेयक पारित किया है, जिससे सत्तारूढ़ डीपीपी काफी चिंतित है।

मई में बंद हुआ था आखिरी परमाणु संयंत्र

दरअसल डीपीपी परमाणु ऊर्जा को चरणबद्ध तरीके से समाप्त कर रही है, जो कभी ताइवान को लगभग 20 प्रतिशत बिजली आपूर्ति करती थी। ताइवान के तीन परमाणु संयंत्रों में से अंतिम चालू रिएक्टर 40 वर्षों की सेवा के बाद मई में बंद

कर दिया गया था। लेकिन उसी महीने, विधायिका ने नेशनलिस्ट पार्टी के समर्थन से, परमाणु ऊर्जा के विस्तार पर जनमत संग्रह कराने के ताइवान पीपुल्स पार्टी के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी। जनमत संग्रह में मतदाताओं से पूछा जा रहा है कि क्या हाल ही में बंद हुए परमाणु संयंत्र को चालू रहना चाहिए, बशर्ते नियामक इस बात पर सहमत हों कि ऐसा करना सुरक्षित है। मानशान संयंत्र, जिसे आमतौर पर तीसरा परमाणु ऊर्जा संयंत्र कहा जाता है, ताइवान के दक्षिणी सिरे के पास है। परमाणु ऊर्जा के समर्थकों का कहना है कि इससे बिजली के बिल कम होंगे और कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनुप्रयोगों से बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी। अमेरिकी चिप दिग्गज कंपनी एनवीडिया के ताइवान में जन्मे संस्थापक जेन्सेन हुआंग ने भी परमाणु ऊर्जा का समर्थन किया।

भारत संग बिगड़ते रिश्ते पर एक और पूर्व अमेरिकी अधिकारी की ट्रंप को लताड़, आईना दिखाकर दी नसीहत

वॉशिंगटन। भारत पर 50 फीसदी लगाने और बिगड़ते रिश्ते पर एक और पूर्व अमेरिकी अधिकारी ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लताड़ लगाई है। ओबामा प्रशासन में विदेश मंत्री रहे जॉन केरी ने कहा कि किसी कूटनीतिक प्रयास के बिना अल्टीमेटम देना कोई महानता नहीं है। भारत और अमेरिका के संबंधों में तनाव बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। केरी ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी के बीच टकराव सही नहीं है। हम इससे चिंतित हैं। बड़े राष्ट्र हमेशा लोगों को अल्टीमेटम देकर महानता प्रदर्शित नहीं करते हैं। बल्कि कूटनीतिक प्रयासों के जरिये काम करते हैं। ताकि आम सहमति बनाई जा सके। उन्होंने कहा कि ओबामा शासन के दौरान बातचीत सहयोग और सम्मान के साथ होती थी। लेकिन अब कुछ ज्यादा ही आदेश, दबाव और धक्का–मुक्की हो रही है। केरी ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि भारत और अमेरिका मिलकर व्यापार विवाद सुलझा लेंगे। भारत ने स्पष्ट रूप से बेहतर पेशकश की है। पीएम मोदी और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल हमारे मित्र हैं। भारत ने कई अमेरिकी आयातों पर शून्य पेशकश की है, यह एक बड़ा बदलाव है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

ट्रंप की कठोर नीति के चलते अमेरिका में कम हुई अप्रवासी आबादी, विशेषज्ञ बोले– अर्थव्यवस्था को होगा नुकसान

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का अप्रवासियों के खिलाफ सख्त रुख रहा है। इसके चलते ट्रंप प्रशासन में बड़े पैमाने पर अवैध अप्रवासियों को निर्वासित किया गया और सीमा पर सख्ती की गई। अब उनकी कठोर नीतियों का असर दिखना भी शुरू हो गया है। दरअसल अमेरिका में रहने वाले अप्रवासियों की संख्या में भारी गिरावट दर्ज की गई है। प्यू रिसर्च सेंटर के एक ताजा अध्ययन के अनुसार, अमेरिका में जनवरी 2025 से लेकर जून 2025 के बीच अप्रवासियों की संख्या में करीब 15 लाख की कमी दर्ज की गई है। प्यू रिसर्च सेंटर के अनुसार अमेरिका में आप्रवासियों की कुल संख्या इस साल की शुरुआत में 5.33 करोड़ थी, जो अब घटकर लगभग 5.19 करोड़ रह गई है। प्यू रिसर्च सेंटर की यह रिपोर्ट गुरुवार को जारी की गई। प्यू रिसर्च सेंटर के वरिष्ठ जनसांख्यिकीविद् जेफरी पासेल ने मीडिया को बताया, श्हम जिस डेटा पर गौर कर रहे हैं, वह एक नाटकीय बदलाव दर्शाता है।श इस गिरावट का असर श्रम बाजार पर भी पड़ रहा है। प्यू रिसर्च सेंटर के अनुसार, आप्रवासियों की संख्या में कमी के कारण कार्यबल ने 7,50,000 से ज्यादा कर्मचारियों को खो दिया है।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।